राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 28 मई 2025 वर्ष-8,अंक-98 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में बनने वाले 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान प्रोजेक्ट को मोदी सरकार की मंजूरी

सरकारी के साथ निजी कंपनियां बनाएगी

नई दिल्ली।

भारत में बनने वाले 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान यानी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बेट एयरक्राफ्ट (एएमसीए)के प्रोडक्शन मॉडल को मंजूरी मिल गई है। मोदी सरकार ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एयरक्राफ्ट को बनाने के लिए सरकारी के साथ निजी कंपनियों को भी बोली लगाने का मौका मिलेगा। एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) जल्द ही इसके लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओएल) जारी करेगा। एयरक्राफ्ट बनाने में निजी कंपनियों को मौका देने की घोषणा से डिफेंस और इससे जुड़े सेक्टर्स की कंपनियों के शेयर्स में करीब 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स भी 52 सप्ताह के नए हाई 8,674.05 पर पहुंच गया। दरअसल अप्रैल, 2024 में सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने 5वीं पीढ़ी के स्वदेशी फाइटर जेट के डिजाइन और विकास के लिए 15 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। यह फाइटर जेट 'एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट' है।

एडीए इस प्रोग्राम के एक्जीक्यूशन और एयरक्राफ्ट डिजाइन करने के लिए नोडल एजेंसी है। एडीए रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के तहत आता है।

यह भारतीय वायु सेना के अन्य लड़ाकू विमानों से बेहतर होगा। दुश्मन के रडार से बचने के लिए हाईटेक स्टील्थ टेक्नोलॉजी से लैस होगा। इंटरनेशनल लेवल पर इस्तेमाल हो रहे 5वीं पीढ़ी के अन्य स्टील्थ लड़ाकू विमानों के जैसा या उससे भी बेहतर होगा।

एडवांस्ड मीडियम कॉम्बेट एयरक्राफ्ट यानी एएमसीए देश में ही विकसित होने वाला दूसरा फाइटर एयरक्राफ्ट होगा। इससे पहले भारत में लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस और उसके एडवांस्ड वर्जन तेजस मार्क-1 को तैयार किया जा चुका है। इसके और भी उन्नत संस्करण मार्क-1-ए पर काम चल रहा है। जानकारी के मुताबिक एएमसीए 2035 तक एयरफोर्स और नेवी में तैनाती के लिए उपलब्ध हो सकेगा।

30 जुलाई को एयर फोर्स ने अवंतीपोरा एयरबेस पर हल्के लड़ाकू विमान तेजस एमके-1 को तैनात किया। सेना का कहना है कि पायलट्स घाटी में उड़ान की प्रैक्टिस कर सकें, इसलिए ऐसा किया गया।

कश्मीर, पड़ोसी देशों चीन-पाकिस्तान के लिहाज से संवेदनशील है। तेजस एमके-1 मल्टीरोल हल्का लड़ाकू विमान है, जो वायुसेना को कश्मीर के जंगल और पहाड़ी इलाकों में और मजबूत करेगा। भारतीय वायुसेना के पास अभी 31 तेजस फाइटर प्लेन हैं।

इस विमान के 50 प्रतिशत

कलपुर्जे यानी मशीनरी भारत में ही तैयार हुई है।

इसमें इजराइल के ईएल/एम-2052 रडार को लगाया गया है। इससे यह एक साथ 10 लक्ष्यों को ट्रैक कर उन पर निशाना साधने में सक्षम है। बेहद कम जगह यानी 460 मीटर के रनवे पर टेकऑफ करने की क्षमता है। यह फाइटर जेट सुखोई, राफेल, मिराज और मिग से हल्का है। इसका वजन 6500 किलो है।

पहला कॉलम

टीडीपी पार्टी कल्याण, सुधार और विकास के लिए एक ट्रेंडसेटर- नायडू

नई दिल्ली।

टीडीपी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि केंद्र में विभिन्न सरकारों द्वारा लिए गए कई फैसलों में टीडीपी ने अहम भूमिका निभाई है और पार्टी कल्याण, सुधार और विकास के लिए एक ट्रेंडसेटर है। टीडीपी महानाडु को संबोधित कर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते 43 सालों में टीडीपी ने कई चुनौतियों का सामना किया है। कई लोगों ने कहा कि पार्टी खत्म हो गई है, लेकिन इसका झंडा हमेशा ऊंचा रहा है। सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा (अलग-अलग समय पर) लिए गए कई फैसलों में टीडीपी ने अहम भूमिका निभाई है। आंध्र प्रदेश आज जो सोचता है, भारत कल वहीं सोचता है, यह कई बार साबित हो चुका है। उन्होंने कहा कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को काफी नुकसान उठाना पड़ा और कई टीडीपी कार्यकर्ताओं की जान गई। उन्होंने कहा कि देश में कई राजनीतिक दल हैं। लेकिन टीडीपी एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि जब संगठनात्मक ताकत की बात आती है, तब टीडीपी देश की सबसे मजबूत पार्टियों में से एक है। नायडू ने कहा कि पार्टी ने मात्र 45 दिनों में एक करोड़ सदस्यों को जोड़कर सदस्यता अभियान पूरा किया है। आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ पार्टी का तीन दिवसीय वार्षिक सम्मेलन टीडीपी महानुडू मंगलवार को यहां शुरू हुआ। यह 27 से 29 मई तक चलेगा।

कानून एवं न्याय मंत्री कपिल मिश्रा से जुड़े मामले की जांच में देरी, अदालत ने दिल्ली पुलिस को लगा दी फटकार

नई दिल्ली।

दिल्ली की एक अदालत ने कानून एवं न्याय मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए) के तहत दर्ज मामले में अपर्याप्त जांच के लिए दिल्ली पुलिस को फटकार लगा दी है। दरअसल बीजेनी नेता मिश्रा ने 2020 में दिल्ली में छोटे-छोटे पाकिस्तान बने और शाहीन बाग में पाकिस्तान की एंट्री जैसे बयान दिए थे। इसके बाद उनपर आरपीए की धारा 125 (चुनाव के सिलसिले में वर्गों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) के तहत शिकायत दर्ज हुई थी। यह मामला मिश्रा द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए पोस्ट से भी जुड़ा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 2020 में चुनाव के दिन दिल्ली की सड़कों पर भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला होगा। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने कहा कि बिना किसी चूक के, इस न्यायालय द्वारा आदेश-पत्रों के माध्यम से अभियुक्तों के ट्विटर हैंडल के संबंध में साक्ष्य एकत्र करने का भरसक प्रयास किया गया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस ने एक उदासीन दृष्टिकोण दिखाया है। मिश्रा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता पवन नारंग ने कहा कि कांग्रेस और आप यह प्रचार करते हैं कि वे स्वभाव से धर्मनिरपेक्ष हैं। मेरी पार्टी की भी धर्मनिरपेक्ष साख है। मैं यह दिखाने की कोशिश कर रहा हूं कि धर्मनिरपेक्ष चरित्र की आड़ में ये पार्टियां धर्म-विशेष के एजेंडे को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही हैं।

वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई

अधिनियम 1995 को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद को भेजा नोटिस

नई दिल्ली।

वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को लेकर मंगलवार को फिर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने संशोधित वक्फ अधिनियम 1995 के कुछ प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया है। इसके साथ इस याचिका को 1995 के वक्फ अधिनियम को चुनौती देने वाली लंबित याचिकाओं से जोड़ दिया है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की खंडपीठ ने ये नोटिस सरकार को दिया। पीठ निखिल उपाध्याय द्वारा 1995 अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान सीजेआई गवई ने याचिकाकर्ता के वकील अश्विनी उपाध्याय से पूछा कि 1995 अधिनियम को अब क्यों चुनौती दी जा रही है। इस पर वकील ने कहा कि हम 2013 के संशोधन को भी चुनौती दे रहे हैं। इसके बाद सीजेआई ने कहा कि इसमें भी 12 साल हो गए। हम देरी की वजह से केस खारिज कर देंगे। इसका जवाब देते हुए वकील उपाध्याय ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले से ही 2020-21 में पूजा स्थल अधिनियम 1991 और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम 1992 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। बता दें कि याचिकाकर्ता ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 द्वारा संशोधित वक्फ अधिनियम 1995 की कई धाराओं की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए तर्क दिया कि ये प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21, 25, 26, 27 के विरुद्ध हैं। याचिकाकर्ता ने ये भी तर्क दिया कि केवल मुसलमानों के पास ही उनकी धार्मिक संपत्तियों को

संभालने से संबंधित कानून है और अन्य धर्मों के पास ऐसा कोई कानून नहीं है। इसलिए यह तर्क दिया गया कि वक्फ अधिनियम 1995 भेदभावपूर्ण था।

कलेक्टर तरन्नुम पर विवादित टिप्पणी कर फंसे बीजेपी नेता, कर्नाटक कांग्रेस हमलावार

कलबुर्गी।

कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में भाजपा एमएलसी और विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन रविकुमार द्वारा जिला कलेक्टर फौजिया तरन्नुम पर की गई भड़काऊ टिप्पणी के बाद विवाद बढ़ गया है। बीजेपी नेता रविकुमार ने कथित तौर पर कहा था, मुझे नहीं पता कि डीसी पाकिस्तान से आई हैं या यहां की कोई आईएएस अधिकारी हैं। यह टिप्पणी चित्तपुर में हाल ही में हुई घटना से संबंधित चल रहे तनाव के बीच आई है। डिप्टी कमिश्नर तरन्नुम के खिलाफ कथित टिप्पणी के लिए भाजपा एमएलसी कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। इस पूरे मामले में कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेता कुमार ने जो कुछ भी कहा वह उचित नहीं है। यह दुश्मनी पैदा करने वाला बयान है। उन्हें (कलबुर्गी डीसी तरन्नुम) कुछ नहीं होगा, लेकिन यह समाज में दुश्मनी पैदा करने के लिए है। उनके खिलाफ़ पुलिस शिकायत और एफआईआर दर्ज की जाएगी। मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। वहीं उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा संघ के अधिकारी और अन्य लोग आज सुबह मुझसे मिले। वे हैरान हैं। वह (फौजिया तरन्नुम) बहुत साफ-सुथरी अधिकारी हैं। यह एक महिला अधिकारी के प्रति उनका सम्मान है। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने रविकुमार की टिप्पणी की निंदा कर बेहद अप्रिय बताया। उन्होंने कहा, देश भर के भाजपा नेताओं और उनके भाषणों को देखिए, यह एक बेहद परेशान करने वाली मानसिकता को दिखाता है। एक सम्मानित अधिकारी के खिलाफ इस तरह के आरोप लगाना अस्वीकार्य है।

ऑपरेशन सिंदूर ने हमारी मानसिकता को बड़े पैमाने पर बदल दिया : उपराष्ट्रपति धनखड़

नई दिल्ली।

राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम-चरण 7 के उद्घाटन सत्र में, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा बयान दिया है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने हमारी मानसिकता को बड़े पैमाने पर बदल दिया है। हम पहले से कहीं अधिक राष्ट्रवादी हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास एकजुट रहने और मजबूत होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए, हमें स्वदेशी ताकत की आवश्यकता है। युद्ध को ताकत की स्थिति में टाला जाना चाहिए। शांति तब सुरक्षित होती है जब आप युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और इसलिए ताकत तकनीकी कौशल, पारंपरिक हथियारों की ताकत के अलावा लोगों से भी आती है। उन्होंने कहा कि संस्थाओं की तरह, राजनीतिक

जनजातियों का भी राष्ट्रीय हित के प्रति नैतिक कर्तव्य है, क्योंकि सभी संस्थाओं के लिए अंतिम केंद्र बिंदु राष्ट्रीय विकास, जन कल्याण और पारदर्शिता, जवाबदेही, ईमानदारी पैदा करना है।

उपसभापति धनखड़ ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक प्रगति के मुद्दों पर, सभी गुटों को राष्ट्रीय हित को दलीय प्राथमिकताओं से ऊपर रखना चाहिए। मैं राजनीतिक स्पेक्ट्रम में सभी से गंभीरता से विचार करने और निष्कर्ष पर पहुंचने की अपील करूंगा कि आंतरिक सुरक्षा और विकास के मुद्दों पर आम सहमति होनी चाहिए।

आधी रात में फिर कांपी धरती, म्यांमार और तिब्बत में महसूस किए गए भूकंप के झटके

नई दिल्ली। बीती आधी रात एक बार फिर धरती कांपी, जब म्यांमार और तिब्बत में भूकंप के झटके दर्ज किए गए। भूकंप का केंद्र धरती की सतह से करीब 10 किलोमीटर नीचे था, जो इसे अधिक संवेदनशील बनाता है। म्यांमार में भारतीय समयानुसार मंगलवार 27 मई को तड़के 2:32 बजे 3.4 तीव्रता का झटका दर्ज किया गया। वहीं, तिब्बत में रात 12:59 बजे इसी तीव्रता के झटके महसूस किए गए। हालांकि भूकंप की तीव्रता ज्यादा नहीं थी, फिर भी रात के सन्नाटे में आए इन झटकों ने लोगों को दहशत में डाल दिया। कई जगह लोग नींद से जागकर घरों से बाहर निकलते देखे गए। फिलहाल दोनों ही क्षेत्रों से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, हाल के दिनों में म्यांमार में लगातार भूकंपीय गतिविधियां दर्ज की जा रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि टेक्टोनिक प्लेटों की बढ़ती हलचल इन घटनाओं के पीछे कारण है। प्रशासन ने स्थिति पर कड़ी नजर बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। भूकंप के लिहाज से संवेदनशील इन क्षेत्रों में लोगों से सतर्क रहने और आपदा प्रबंधन संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

सेना के सम्मान व ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर निकली तिरंगा यात्रा

बैजनाथ।

बैजनाथ में देश की सेनाओं के सम्मान और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बीजेपी ने तिरंगा यात्रा निकाली जिसमें पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। बीजेपी ने कहा कि देश के पीएम नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और सेनाओं के अदम्य साहस और पराक्रम की वजह से यह संभव हो पाया है, जिसके लिए बैजनाथ व प्रदेश की जनता आभारी है।यात्रा में कहा गया कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही पाकिस्तान की सेना को मुंहतोड़ जवाब दिया गया मोदी है तो हर काम मुमकिन है। इस मौके पर सैकड़ों बीजेपी कार्यकर्ता हाथ में तिरंगा लेकर देश के वीरों के प्रति नारे लगाए। इस मौके पर बीजेपी के पूर्व विधायक मंडल अध्यक्ष और कार्यकारिणी के सदस्य मौजूद थे।

पंचकूला सामूहिक आत्महत्या मामला: गठित की गई जांच टीम

चंडीगढ़।

हरियाणा के पंचकूला जिले में सामूहिक आत्महत्या की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सेक्टर-27 स्थित एक मकान के बाहर खड़ी कार में एक ही परिवार के सात लोगों के शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला संदिग्ध मानते हुए जांच शुरू कर दी है और इस संवेदनशील मामले की तह तक जाने के लिए 5 सदस्यीय जांच टीम का गठन किया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, डीसीपी हिमाद्री कौशिक और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीमों ने कार की गहन जांच की और साक्ष्य जुटाने का काम शुरू किया। डीसीपी कौशिक ने बताया कि सभी मृतक एक ही परिवार के सदस्य थे और प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी एंगल से जांच की जा रही है।

फिलहाल सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पंचकूला पुलिस के मुताबिक, कार से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, लेकिन कुछ व्यक्तिगत सामान और पदार्थ ऐसे मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच को तेजी देने और किसी भी संभावित एंगल को नजरअंदाज न करने के निर्देश दिए हैं। पूरे शहर में इस घटना के बाद शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है।

ब्रिटिश काल के ड्रेनेज सिस्टम को अभी तक नहीं किया गया आधुनिक

-हर साल बारिश में पानी-पानी हो जाती है औद्योगिक नगरी मुंबई

मुंबई।

मुंबई में पिछले दो दिन जोरदार बारिश हो रही है। सड़कों पर पानी-पानी हो रहा है। मुंबई में वेस्टर्न और ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे समेत कई प्रमुख मार्गों पर भी ट्रैफिक जाम जैसे हालात बने हुए हैं। बताया जा रहा है इस बार महाराष्ट्र में समय से पहले मानसून ने दस्तक दे दी है। मुंबई में भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात पैदा गए हैं। अब सवाल ये है कि हर बार मुंबई में बारिश से बाढ़ जैसे हालात क्यों बनते हैं । मुंबई एक ऐसा शहर है जो हर साल बारिश में डूबता है।

मुंबई नगर निगम ने ब्रिटिश काल के इस ड्रेनेज सिस्टम को अभी तक आधुनिक शहर के हिसाब से नहीं सुधारा है। ये भी एक कारण है मुबंई में पानी भरने का। पिछले 10 साल में जल निकासी प्रणाली में क्षमता बढ़ाने के लिए काफी काम किया गया, जिसमें तूफानी जल निकासी नालियों को चौड़ा करना और पंपिंग स्टेशन जोड़ना शामिल है।

मुंबई की जल निकासी प्रणाली काफी हद तक टाइड्स पर निर्भर है और यदि भारी बारिश और उच्च टाइड एक साथ आते हैं, तो पानी को बनाए गए पंपिंग स्टेशनों के जरिए से बाहर निकलना पड़ता है। मुंबई की प्राकृतिक जल निकासी और पानी का प्रवाह केवल तभी काम होता है जब टाइड कम होता है। समुद्र के पानी को शहर में आने से रोकने के लिए लॉक गेट का इस्तेमाल किया जाता है और यही कारण है कि पंप काम करने के बावजूद इसे बाहर निकालने में समय लगता है।

मुंबई मूल रूप से सात द्वीपों का एक संग्रह था। जमीन को दोबारा हासिल करके एक लैंड मास बनाया गया, लेकिन इससे निचले इलाकों का निर्माण हुआ जहां भारी बारिश के दौरान पानी जमा हो जाता है, जिसे फिर तूफानी नालों और पंपिंग स्टेशनों के नेटवर्क के जरिए से बाहर पंप किया जाता है। पिछले कुछ सालों में मुंबई में बारिश के पैटर्न में बहुत ज्यादा बदलाव हुए हैं और इसकी वजह से पूरे मानसून जल्दी आ गया और समय से पहले ज्यादा मात्रा में बारिश हो रही है।

अब बारिश के पानी के लिए बनी नालियां, चाहे उनमें कितनी भी बेहतर व्यवस्था क्यों न हो, भारी बारिश का सामना नहीं कर पातीं।

मानसून का समय से पहले आना मुंबई जैसे शहर के लिए चुनौतियां हैं। नालियों को साफ करने और गाद निकालने का काम एक तय समय पर होता है और अधूरे काम की वजह से ऐसी स्थिति बनती है कि जल निकासी की व्यवस्था ठीक से काम नहीं करती।

मुंबई के स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम जिसका अनावरण 2005 की मुंबई बाढ़ के बाद किया गया था। इसमें उस साल 1094 लोग मारे गए थे, जिसका उद्देश्य मुंबई को 19वीं सदी की जल निकासी प्रणाली को दुरुस्त करना था ये अभी भी अधूरा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

(पर्यावरण-चिंतन) अंधड़, बारिश और चेतावनीः बदलता मौसम, बिगड़ता संतुलन

मौसम विभाग ने इस बार के तूफान के पीछे पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से उठने वाली नम हवाओं के संगम को कारण बताया है। आमतौर पर पश्चिमी विक्षोभ नवंबर से अप्रैल के बीच सक्रिय रहता है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह मई-जून में भी सक्रिय रहने लगा है, जो वैश्विक तापमान वृद्धि का संकेत है। यह संकेत स्पष्ट करता है कि पारंपरिक मौसम चक्रों में अब स्थायित्व नहीं रहा और मौसम की गतिविधियां अधिक अनियमित और अस्थिर होती जा रही हैं।

(लेखक-योगेश गोयल)

24-25 मई की रात उत्तर भारत के लिए एक बार फिर ऐसी रात बनकर आई, जिसने न केवल दिल्ली-एनसीआर बल्कि पूरे उत्तर भारत को झकझोरकर रख दिया। इस प्रचंड मौसमीय तांडव ने न केवल जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया बल्कि एक बार फिर यह संकेत दे दिया कि अब मौसम चक्रों में स्थायित्व नहीं रहा और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से हमारे सिर पर मंडरा रहा है। एक ओर जहां लोगों को चिलचिलाती गर्मी से थोड़ी राहत मिली, वहीं दूसरी ओर भीषण बारिश और तेज हवाओं ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। मई महीने में जब उत्तर भारत 44-45 डिग्री सेल्सियस की झुलसाने वाली गर्मी के लिए जाना जाता है, ऐसे समय में अचानक ऐसे तूफान, तेज बारिश और ओलावृष्टि जैसे दृश्य आमतौर पर मानसून के चरम काल में भी दुर्लभ होते हैं।

हालांकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस तूफान से पहले ही रेड अलर्ट जारी कर दिया था परंतु तूफान की तीव्रता और व्यापक प्रभाव ने पारंपरिक मौसमी पूर्वानुमानों को भी पीछे छोड़ दिया। रविवार की देर रात तेज हवाओं ने पूरे दिल्ली-एनसीआर में अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया। पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशा से तेजी से बढ़ते तूफानी बादल महज कुछ ही घंटों में दिल्ली-एनसीआर की ओर आ गए। आसमान में अचानक तेज बिजली चमकने लगी, फिर गरज के साथ बारिश शुरू हुई और देखते ही देखते स्थिति एक शक्तिशाली तूफान में बदल गई। हवा की रफ्तार इतनी अधिक थी कि कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए, ट्रैफिक सिग्नल गिर गए, बिजली के खंभे झुक गए और कई वाहनों को क्षति पहुंची। आईएमडी के अनुसार, इस दौरान हवा की गति 60 किमी प्रतिघंटा तक पहुंच गई थी और कुछ स्थानों पर तो यह इससे भी अधिक रिकॉर्ड की गई।

केवल दिल्ली ही नहीं, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम जैसे एनसीआर के प्रमुख शहरों में भी हालात कुछ अलग नहीं थे। गुरुग्राम में तेज हवा के कारण कई जगहों पर निर्माणाधीन साइटों की छतें उड़ गई जबकि नोएडा में एक निर्माणाधीन बिल्डिंग की क्रेन गिरने से दो लोग घायल हो गए। उत्तर भारत के अन्य भागों, जम्मू, पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड, राजस्थान में भी यह तूफान तबाही लेकर आया। जगह-जगह सैंकड़ों पेड़ उखड़ गए, जिससे कई जगहों पर सड़कों का संपर्क टूट गया। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में बादल फटने की घटना भी सामने आई, जहां सात वाहन बह गए और कई अन्य क्षतिग्रस्त हो गए। पंजाब में वर्षाजनित हादसों में कुछ लोगों की मौत की भी पुष्टि हुई। खेतों में काम कर रहे किसान तेज आंधी की चपेट में आ गए। इससे पहले 21 मई को भी शाम के समय अचानक दिल्ली-एनसीआर का मौसम बदल गया था और अचानक बदले मौसम के बीच भीषण आंधी-तूफान और ओलावृष्टि ने जमकर तबाही मचाई थी। तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि नोएडा, गाजियाबाद सहित देश के कई राज्यों में लोगों के लिए मुसीबत बन गया था। उस दौरान हुए हादसों में 7 लोगों की जान चली गई थी और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि देशभर में करीब 26 लोगों की मौत होने की सूचना मिली थी।

इस साल मई महीने की शुरुआत ही इसी प्रकार के अप्रत्याशित मौसमी बदलावों के साथ हुई थी। 2 मई की सुबह दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में तेज आंधी, बारिश और तूफान जैसी स्थिति बनी थी। दिल्ली में उस दिन 78 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चली थी और बारिश के साथ भारी नुकसान हुआ था। पेड़ उखड़ गए थे, बिजली की आपूर्ति बाधित हुई थी और तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि उस समय भी लोगों को थोड़ी राहत महसूस हुई थी लेकिन इस बार मई के अंत में आया यह तूफान कहीं अधिक गंभीर और व्यापक प्रभाव वाला था। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सब केवल सामान्य मौसमी उतार-चढ़ाव नहीं हैं बल्कि जलवायु परिवर्तन के गहरे संकेत हैं। दिल्ली सहित समूचे उत्तर भारत में तेजी से बढ़ता शहरीकरण, औद्योगीकरण और पर्यावरणीय असंतुलन अब मौसम चक्रों को अस्थिर कर रहा है। 'शहरी हीट आइलैंड' प्रभाव के चलते रात के तापमान में गिरावट नहीं होती और वातावरण की ऊष्मा बढ़ती जाती है। कंक्रीट, एस्फाल्ट और अन्य मानव निर्मित सतहें सूरज की ऊष्मा को अवशोषित कर लेती हैं और धीरे-धीरे उसे छोड़ती हैं, जिससे रात में भी वातावरण गर्म बना रहता है। 2 मई की सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि सामान्यतः ऐसी बारिश के बाद तापमान 18-20 डिग्री तक गिर जाता है। मौसम विभाग ने इस बार के तूफान के पीछे पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से उठने वाली नम हवाओं के संगम को कारण बताया है। आमतौर पर पश्चिमी विक्षोभ नवंबर से अप्रैल के बीच सक्रिय रहता है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह मई-जून में भी सक्रिय रहने लगा है, जो वैश्विक तापमान वृद्धि का संकेत है। यह संकेत स्पष्ट करता है कि पारंपरिक मौसम चक्रों में अब स्थायित्व नहीं रहा और मौसम की गतिविधियां अधिक अनियमित और अस्थिर होती जा रही हैं। बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाएं जब पश्चिमी विक्षोभ से टकराती हैं तो वह एक संगठित मौसमी प्रणाली का निर्माण करती हैं, जिससे उत्तर भारत में भारी वर्षा, तेज हवाएं और ओलावृष्टि होती है। यह आमतौर पर मानसून के मध्य चरणों में होता है लेकिन मई की शुरूआत में या मई के अंतिम सप्ताह में इस प्रकार की घटनाएं असामान्य हैं, जिनसे यह सिद्ध होता है कि मौसमी प्रवृत्तियों की दिशा अब बदल रही है।

कृषि क्षेत्र पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। इस समय अधिकांश क्षेत्रों में मूंग, सब्जियां, तरबूज, खरबूजा और अन्य ग्रीष्मकालीन फसलों की खेती होती हैं। तेज हवाएं, ओलावृष्टि और बारिश इन फसलों को नुकसान पहुंचाती हैं। बिहार, हरियाणा और राजस्थान के किसानों ने फलों और सब्जियों के खराब होने की शिकायत की है। इससे न केवल किसानों की आमदनी प्रभावित होती है बल्कि खाद्य आपूर्ति श्रृंखला और खुदरा बाजारों में कीमतों पर भी इसका व्यापक असर पड़ सकता है। जलवायु परिवर्तन का असर अब हिमालय क्षेत्र में भी गहराई से महसूस किया जा रहा है। बर्फबारी का स्तर 23 वर्षों के न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुका है, जिससे हिमालय की नदियों पर निर्भर करोड़ों लोगों की जल सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। आईपीसीसी की छठी आकलन रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय उपमहाद्वीप में मौसम अब पहले की तुलना में अधिक अनिश्चित और अस्थिर हो गया है। असामान्य तूफान, बेमौसम बारिश और अचानक तापमान में बदलाव, यह सभी इस बात के संकेत हैं कि जलवायु अब अपने पुराने स्वरूप से हट चुकी है।

वर्तमान स्थिति में सरकार, वैज्ञानिक समुदाय और आम नागरिकों के लिए यह एक गंभीर चेतावनी है। अब समय आ गया है कि हम जलवायु परिवर्तन को केवल वैज्ञानिक बहस का विषय न मानें बल्कि इसे सार्वजनिक नीति और व्यक्तिगत जीवनशैली में भी प्राथमिकता दें। भारत को अब मौसम विज्ञान, कृषि, जल संरक्षण, ऊर्जा नीति और शहरी नियोजन को आपस में जोड़ते हुए एक समग्र रणनीति बनानी होगी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को भी अपनी रणनीतियों को अद्यतन करना होगा। अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों की जलवायु विशेषताओं के अनुसार अलग योजनाएं बनानी होंगी। दिल्ली-एनसीआर जैसे घने शहरी क्षेत्रों के लिए अलग मॉड्यूल हो जबकि हिमालयी क्षेत्रों के लिए भूस्खलन, बाढ़ और बर्फबारी पर केंद्रित योजनाएं हों। ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के लिए मौसम अनुकूल बीमा योजनाएं, सटीक पूर्वानुमान सेवाएं और प्राकृतिक आपदाओं से पहले सतर्कता की विश्वसनीय प्रणाली विकसित करनी होगी।

बहरहाल, दिल्ली और उत्तर भारत में अचानक और तीव्र रूप से बदलता मौसम अब कोई आश्चर्यजनक घटना नहीं रह गया है बल्कि यह एक चेतावनी है कि यदि हम समय रहते नहीं चेते तो यह बदलाव हमें और अधिक विनाशकारी परिस्थितियों की ओर ले जा सकता है। यह समय है जब नीति निर्धारक, वैज्ञानिक और आमजन एकजुट होकर जलवायु परिवर्तन की चुनौती का समाधान निकालें। 24-25 मई की रात उत्तर भारत में आया तूफान न केवल भौतिक रूप से तबाही का प्रतीक था बल्कि यह जलवायु संकट की उस गंभीरता का द्योतक भी था, जिससे हम सब प्रभावित हो रहे हैं। यदि आने वाले समय में ऐसी घटनाएं बढ़ती हैं तो इससे न केवल हमारी जीवनशैली प्रभावित होगी बल्कि भारत की कृषि, अर्थव्यवस्था और पर्यावरणीय संतुलन भी खतरे में पड़ सकता है। इसलिए हमें सतर्क रहना होगा, तैयारी करनी होगी और प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर चलना होगा, तभी हम सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य की ओर बढ़ सकते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार और बहुचर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के लेखक हैं)

संपादकीय

मनरेगा को ठेंगा

श्रमिकों को घर के पास जीविका उपार्जन के अवसर उपलब्ध कराने के लिये शुरू की गई मनरेगा से जुड़ी धांधलियां अकसर उजागर होती रहती हैं। ताजा घटनाक्रम में ठेकेदारों व निहित स्वार्थी तत्वों की सांठगांठ को ऑनलाइन भुगतान के जरिये बेनकाब किया गया, जिसमें लाखों फर्जी श्रमिकों को भुगतान के मामले उजागर हुए। निश्चित रूप से ये घटनाएं हमारे समाज में येन-केन-प्रकारेण धन अर्जन की लालसा को ही उजागर करती हैं। साथ ही नैतिक मूल्यों के पतन की गाथा भी कहती हैं। ऐसे ही पंजाब के गुरदासपुर के गाजीकोट गांव में उजागर हुआ कार्टून घोटाला एक हास्यास्पद, लेकिन बेहद परेशान करने वाला उदाहरण है कि भ्रष्टाचार के लिये किस हद तक गिरा जा सकता है। कथित तौर पर पंचायत सदस्यों ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा के तहत मजदूरों की उपस्थिति को फर्जी ढंग से दर्शाने के लिये एक सरकारी स्कूल के गेट पर बनाए गए कार्टूनों का सहारा लिया। इन चित्रों के साथ लाभार्थियों की तसवीरें मजदूरी के सबूत के तौर पर अपलोड की गई। विडंबना देखिए कि उस काम के लिए भुगतान लिया गया जो कभी किया ही नहीं गया था। दरअसल, पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने एक योजना के तहत स्कूल की दीवारों पर पेंटिंग्स बनायी थी, जिससे छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया जा सके। लेकिन शातिर लोगों ने उसका दुरुपयोग मनरेगा में घोटाले को अंजाम देने के लिए किया। निश्चय ही यह हमारे समाज में कुशासन, नैतिक पतन और तकनीकी खामियों की घातक जुगलबंदी को दर्शाता है। इस घोटाले का एक बेशर्म पहलू यह भी था कि कथित तौर पर पंचायत अधिकारियों के करीबी दो भाइयों को कार्टून के रूप में प्रस्तुत किया गया। इस तरह काल्पनिक काम के लिये बेशर्मी से भुगतान कर दिया गया। यही वजह है कि मनरेगा के तहत वित्तीय आवंटन व योजना के क्रियान्वयन को व्यावहारिक बनाने की मांग लंबे समय से की जाती रही है। इसका कारण यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में दृश्य व अदृश्य बेरोजगारी दूर करने में इस योजना की बड़ी भूमिका रही है। निस्संदेह, लंबे अरसे से मनरेगा के तहत मजदूरी देने में धांधली के आरोप लगते रहे हैं। यह केवल पंजाब के गुरदासपुर का मामला ही नहीं है, हाल के वर्षों में पूरे देश में इस तरह की धोखाधड़ी के मामले उजागर होते रहे हैं। कुछ दिन पहले, गुजरात में एक राज्य मंत्री के बेटों से जुड़े 71 करोड़ रुपये के मनरेगा घोटाले में फर्जी प्रोजेक्ट और अन्य धांधलियां सामने आई थीं। मृत व्यक्तियों के नाम पर भी भुगतान किया गया। कुछ माह पूर्व कर्नाटक में, पुरुष श्रमिकों ने महिला जॉब कार्डधारकों का रूप धारण करने के लिये साड़ी पहनी थी। ये उदाहरण ग्रामीण आजीविका और सम्मान को बनाये रखने के लिये बनायी योजना का मजाक उड़ाने वाले हैं। दरअसल, ऐसे घोटालों का उजागर होना अंततः कल्याणकारी कार्यक्रमों में जनता के विश्वास को ठेस पहुंचाता है। सही मायनों में ऐसी धांधलियों से वास्तविक लाभार्थियों के हितों को नुकसान पहुंचता है।

परीक्षा प्रणाली या सामाजिक भ्रमजाल?

(लेखिका - सोनम लववंशी)

शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला कहा गया है। यह व्यक्ति के ज्ञान, विवेक, सृजनात्मकता और व्यक्तित्व विकास का माध्यम रही है। लेकिन आज की तारीख में यह उद्देश्य कहीं पीछे छूट गया है। शिक्षा अब एक 'अंक-उद्योग' में तब्दील हो चुकी है, जहां ज्ञान की बजाय नंबर ही सफलता का पर्याय बन गए हैं। अब यह न तो चरित्र निर्माण का साधन रही, न ही सामाजिक चेतना का उपकरण। यह छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को अंक-दौड़ की एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा में धकेलने वाला शोषण तंत्र बन गई है। ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा में इस बार 45,516 छात्रों ने 95 फीसदी से ज्यादा अंक प्राप्त किए, जो कुल परीक्षार्थियों का लगभग 1.92 प्रतिशत है। वहीं 1,99,944 छात्रों ने 90 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल किए, जो 8.43 प्रतिशत के करीब है। यह कोई अपवाद नहीं है हर साल यह आंकड़ा और ऊपर जा रहा है। लेकिन जब इन अंकों की असलियत जानने के लिए उत्तर पुस्तिकाएं जांचने वाले शिक्षकों की कार्यप्रणाली और मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल उठते हैं, तो व्यवस्था मौन हो जाती है। यह एक साजिशन खड़ा किया गया भ्रमजाल है, जो शिक्षा को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की बजाय एक कृत्रिम दौड़ में तब्दील कर रहा है।

शिक्षा के इस व्यवसायीकरण की गहराई को समझने के लिए जरूरी है कि हम उस ढांचे को देखें जिसमें यह सब संचालित हो रहा है। 2019 में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त कुल 22,030 स्कूलों में से लगभग 80 प्रतिशत स्कूल निजी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इस आंकड़े में केवल 1,138 केंद्रीय विद्यालय, 2,727 सरकारी स्कूल, 598 नवोदय विद्यालय और 14 तिब्बती स्कूल शामिल हैं, जबकि शेष 17,553 निजी स्कूल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा का एक बड़ा हिस्सा निजीकरण के दबाव में है, जहां शिक्षा की गुणवत्ता नहीं, बल्कि परिणामों की संख्या मायने रखती है और जब यही 'अंकवीर' छात्र राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, जेईई या नीट में पहुंचते हैं, तो उनकी वास्तविक योग्यता सामने आ जाती है। उदाहरण के लिए, यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2019 में लगभग 11.35 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से मात्र 11,474 छात्र ही मुख्य परीक्षा तक पहुंच सके। यही हाल साल 2024 का रहा। इस वर्ष लगभग 13.4 लाख छात्रों में से सिर्फ 14,627 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा तक पहुंचे। यानि बोर्ड परीक्षा के हाई स्कोरर प्रीलिम्स की पहली कसौटी पर ही फेल हो जाते हैं। यह दर्शाता है कि बोर्ड परीक्षाओं में मिलने वाले ऊंचे अंक असल में बौद्धिक क्षमता या विषय की समझ का पैमाना नहीं हैं। यह मूल्यांकन प्रणाली रटंत विद्या, तयशुदा उत्तरों और सजावटी भाषा पर आधारित है, जिसमें मौलिक सोच और विश्लेषण की कोई जगह नहीं। यह समस्या केवल स्कूली शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिकता पूरे उत्तर भारत के शैक्षणिक वातावरण में व्याप्त है। स्कूलों में अब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान देना नहीं, बल्कि अच्छे परिणामों के जरिए स्कूल का नाम रौशन करना बन गया है। इसके उलट, दक्षिण भारत की तस्वीर अपेक्षाकृत बेहतर है। वहां के माता-पिता शिक्षा को केवल अंक पाने के माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और कौशल निर्माण के रूप में देखते हैं। यही कारण है कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक जैसे राज्यों के छात्र राष्ट्रीय परीक्षाओं में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वहां की शिक्षा प्रणाली में केवल परीक्षाफल नहीं, बल्कि सोचने-समझने की क्षमता, व्यवहारिकता और नवाचार को भी महत्व दिया जाता है। उत्तर भारत के अधिकतर स्कूलों में शिक्षण अब गाइडबुक, मॉडल पेपर और स्मार्ट आंसर पर आधारित हो गया है। शिक्षक भी केवल परिणाम उन्मुख होकर पढ़ाते हैं, क्योंकि उनके मूल्यांकन का आधार भी अब बच्चों के अंक बन गए हैं। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम बच्चों की मानसिक स्थिति पर पड़ता है। नंबर की होड़ में बच्चों में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति, हीन भावना और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। शिक्षा अब ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि एक दौड़ बन गई है, जिसमें सबसे तेज दौड़ने वाला ही विजेता माना जाता है।

यहां तक की कोचिंग टाउन बन चुके शहर कोटा, दिल्ली, पटना, प्रयागराज और इंदौर इस अंक-उद्योग की सबसे बड़ी मिसाल हैं। यहां छोटे-छोटे बच्चों से लेकर स्नातक विद्यार्थी तक 'रैंक मशीन' बनने के लिए दिन-रात खप रहे हैं। यह एक सामाजिक दबाव का परिणाम है, जो विशेष रूप से उत्तर भारत में डॉक्टर-इंजीनियर बनने की लीक पर चलता है। वहीं दक्षिण भारत में शिक्षा के विविध विकल्पों, व्यावसायिक दक्षता और कौशल विकास को भी उतना ही महत्व मिलता है। यह सोच का फर्क है, जो वहां के छात्रों को तकनीकी और प्रशासनिक क्षेत्रों में मजबूत बनाता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस अंक-उद्योग की सबसे खतरनाक बात यह है कि यह छात्रों के भीतर सोचने, सवाल उठाने और नवाचार की प्रवृत्ति को कुचल देता है। शिक्षा का उद्देश्य विवेक, तर्क और संदेह की भावना का विकास था, पर अब यह केवल स्मृति और दोहराव पर आधारित हो गया है। मीडिया में टॉपर बच्चों के साक्षात्कार इस मानसिकता को और पुष्ट करते हैं, जहां दिन में 16 घंटे पढ़ना, दस साल के पेपर रटना और कई-कई किताबें घोंटना ही सफलता का मंत्र बताया जाता है। यह विचारणीय है कि क्या वास्तव में यही शिक्षा है?

इस समस्या का समाधान केवल परीक्षा प्रणाली बदल देने से नहीं होगा। जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक शिक्षा का यह विकृत रूप बना रहेगा। जब तक अभिभावक अंक को ही सफलता की कसौटी मानते रहेंगे, स्कूलों और शिक्षकों की प्राथमिकता भी वहीं रहेगी। ज़रूरत है एक नई शैक्षणिक संस्कृति की जहां असफलता को अवसर माना जाए, बच्चों की विविधता को अपनाया जाए और उन्हें आत्मविश्लेषण और आत्म-अनुशासन के मार्ग पर प्रेरित किया जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस दिशा में कुछ सकारात्मक पहलें की हैं, परंतु इन्हें जमीन पर लागू करना एक लंबी और कठिन प्रक्रिया है। अब समय है कि हम स्कूलों को रैंक उत्पादक मशीनों से बाहर निकालें। अभिभावकों को समझना होगा कि उनका बच्चा कोई अंकों का रिपोर्ट कार्ड नहीं, बल्कि एक सोचने, समझने और विकसित होने वाली मनुष्य-प्रवृत्ति है। शिक्षकों को भी पाठ्यक्रम पूरा कराने से आगे बढ़कर बच्चों में जिज्ञासा, कल्पनाशीलता और सामाजिक चेतना जगानी होगी। जब शिक्षा फिर से इंसान गढ़ने लगेगी, तभी यह राष्ट्र को सही अर्थों में शिक्षित बना पाएगी।

(स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी)

(यह ले खिका के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

(चिंतन-मनन)

मूर्तिकार का सपना

चिंतन मनन

एक मूर्तिकार ने एक रात विचित्र स्वप्न देखा। वह किसी छायादार पेड़ के नीचे बैठा था। अचानक उसे सामने एक पत्थर का टुकड़ा पड़ा दिखाई दिया। उसने उसे उठा लिया फिर उसे सामने रखा और औजारों के थैले से छेनी-हथौड़ी निकालकर उसे तराशने के लिए जैसे ही पहली चोट की, पत्थर जोर से चिल्ला पड़ा- मुझे मत मारो। दूसरी बार वह रोने लगा। मूर्तिकार ने उसे छोड़ दिया। फिर उसने अपनी पसंद का एक अन्य टुकड़ा उठाया और उसे तराशने लगा। वह टुकड़ा चुपचाप वार सहता गया और देखते ही देखते उसमें से एक एक देवी की मूर्ती उभर आई। मूर्ति वहीं पेड़ के नीचे रख वह आगे चला गया। फिर कुछ समय बाद वह उसी पुराने रास्ते से गुजरा। उस स्थान पर पहुंचकर उसने देखा कि उस मूर्ति की पूजा-अर्चना हो रही है, जो उसने बनाई थी। भीड़ लगी है, भजन आरती हो रही है, भक्तों की पंक्तियां लगी हैं। जब उसके दर्शन का समय आया, तो पास आकर उसने देखा कि उसकी बनाई मूर्ति के सामने न जाने क्या-क्या रखा है। जो पत्थर का पहला टुकड़ा उसने, उसके रोने चिल्लाने पर फेंक दिया था वह भी एक ओर पड़ा है और लोग उसके सिर पर नारियल फोड़ -फोड़ कर देवी की मूर्ति पर चढ़ा रहे है। तभी मूर्तिकार की नींद टूट गई। वह सपने के बारे में सोचने लगा।

उसने निष्कर्ष निकाला कि जो लोग थोड़ा कष्ट झेल लेते हैं, उनका जीवन बन जाता है। विश्व उनका सत्कार करता है। पर जो डर जाते हैं और बचकर भागना चाहते हैं वे बाद में जीवन भर कष्ट झेलते हैं, उनका सत्कार कोई नहीं करता।

विचार मंथन

हिन्दुस्तानी छात्रों से अमेरिका को अरबों की कमाई

(लेखक- सनत जैन)

अमेरिका में 11 लाख से ज्यादा विदेशी छात्र पढ़ाई करने के लिए जाते हैं। इसमें लगभग 60 फीसदी भारतीय छात्र होते हैं। इन छात्रों द्वारा लाखों रुपए की फीस अमेरिका के शिक्षण संस्थानों को दी जाती है। विदेशी छात्रों की फीस से अमेरिका के शिक्षण संस्थानों को लाखों करोड़ों रुपए प्रतिवर्ष की कमाई होती है। डोनाल्ड ट्रंप जब से अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, उन्होंने विदेशियों के बारे में जो राय बनाई है। उसके कारण अमेरिका का शैक्षणिक जगत समाप्त होने की कगार पर पहुंच रहा है। अमेरिका के शिक्षण संस्थानों के ऊपर डोनाल्ड ट्रंप की टेडी नजर है। ट्रम्प के कारण अमेरिका को आगे चलकर बहुत बड़ा नुकसान होने वाला है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का सारी दुनिया में नाम है। यहां पर एडमिशन लेने के लिए दुनिया के सभी देशों से बच्चे यहां आकर पढ़ना चाहते हैं। ट्रंप प्रशासन ने विदेशी छात्रों के प्रवेश पर रोक लगा दी। हालांकि अमेरिका के न्यायालय ने ट्रंप के आदेश को रद्द कर दिया है, लेकिन यह खतरा अभी टला नहीं है। ट्रंप सरकार का रवैया विदेशियों के लिए बहुत आक्रामक और अपमानजनक है। ट्रंप के रूख और फैसलों को देखते हुए, अब सारी दुनिया के देशों से अमेरिका में पढ़ने के लिए जो छात्र आते थे। उनकी संख्या में इस साल भारी गिरावट आई है। हाल ही में ट्रंप प्रशासन द्वारा विदेशी छात्रों के साथ जिस तरह की प्रताड़ना की जा रही है। छात्रों को अनाप-शनाप आरोपों में अमेरिका से निष्कासित किया जा रहा है। उसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया भारत सहित दुनिया के देशों में हुई है। ट्रंप सरकार का कहना है, अमेरिकी के विश्वविद्यालयों में यहूदी विरोधी नीतियां चलाई जा रही हैं। ट्रंप प्रशासन की इस कार्रवाई को अमेरिका में अभिव्यक्ति की आजादी से जोड़कर भी देखा जा रहा है। अमेरिका में यह आजादी अब खत्म होती दिखने लगी है। अमेरिका में सबसे ज्यादा छात्र भारत से पढ़ने के लिए जाते हैं। अमेरिका की जितनी भी यूनिवर्सिटी हैं, वह भारतीय विदेशी छात्रों के बल पर चल रही हैं। कई विश्वविद्यालय में 24 फ़ीसदी से लेकर 51 फीसदी तक विदेशी छात्र महंगी फीस देकर पढ़ रहे है। यह विश्वविद्यालय विदेशी छात्रों के बल पर चल रहे हैं। अमेरिकी छात्रों की तुलना में विदेशी छात्रों से ज्यादा फीस वसूल की जाती है। पिछले 4 महीने में ट्रंप प्रशासन द्वारा जिस तरह से शिक्षण संस्थानों को निशाना बनाया गया है। विदेशी छात्रों पर प्रताड़ना की कार्रवाई की जा रही है। उसको लेकर अमेरिका की साख दुनिया भर के देशों में अमेरिका के इतिहास में सबसे ज्यादा खराब हुई है। यदि यही हाल रहा तो अमेरिका के विश्वविद्यालय आर्थिक संकट के कारण स्वयं बंद हो जाएंगे। अमेरिकी सरकार ने विश्वविद्यालयों को मिलने वाले अनुदान में कटौती की है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय का तो पूरा अनुदान ही बंद कर दिया है। अमेरिका के सारे विश्वविद्यालय विदेशी छात्रों के बल पर चल रहे थे। यदि विदेशी छात्र नहीं आएंगे, तो अमेरिका के शिक्षण संस्थान बंद होंगे। इसके साथ-साथ अमेरिका के शिक्षण संस्थानों को लगभग 3.65 लाख करोड रुपए जो फीस के रूप में एकत्रित होते थे। इससे दो गुना ज्यादा राशि विदेशी छात्रों द्वारा अमेरिका में खर्च की जाती थी, अमेरिका को बड़ा आर्थिक नुकसान होना तय माना जा रहा है। अमेरिका इस समय सबसे बड़े कर्ज के दबाव से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने ही हाथों से अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारते हुए नजर आ रहे हैं। ऐसे समय पर भारत में शिक्षण संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर बनाने के लिए भारत सरकार को स्वायता देने की जरूरत है। भारत में पढ़ाई और रिसर्च के लिये यदि अच्छे संस्थान विकसित किए जाते हैं। ऐसी दशा में भारतीय छात्रों को अमेरिका और यूरोप के देशों में इतनी बड़ी संख्या में पढ़ने

के लिए नहीं जाना पड़ेगा। भारत के लिए एक अवसर है, अमेरिका में अभी जो चल रहा है, उसका लाभ भारत की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिये किया जाये। ताकि भारतीय बच्चों का शिक्षा के लिये विदेश जाना कम हो। इससे भारत को विदेशी मुद्रा की बचत होगी। वहीं भारतीय अर्थ- व्यवस्था बेहतर बनाया जा सकेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय बाजार 26 पैसे की बढ़त के साथ ही 85.13 पर बंद हुआ। वहीं सुबह घरेलू शेयर बाजार में सुस्त धारणा के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में 19 पैसे टूटकर 85.29 प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में घरेलू मुद्रा 85.15 पर खुली और शुरुआती सौदों में डॉलर के मुकाबले 85.29 पर लुढ़क गई जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 19 पैसे की गिरावट दिखात है। रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले 85.10 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की गिरावट के साथ 98.83 पर रहा।

निर्यात से जुड़े नए दिशा-निर्देश जारी, एक जून से होंगे लागू

नई दिल्ली। भारत सरकार ने अग्रिम प्राधिकरण (एए) धारकों, निर्यातोन्मुख इकाइयों (ईओयू) और विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस निर्णय के तहत इन इकाइयों की ओर से निर्यात के लिए निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों में छूट (आरओडीटीईपी) योजना के तहत लाभ बहाल किया जाएगा। यह सुनिश्चित किया गया है कि 1 जून 2025 से किये जाने वाले सभी पात्र निर्यात उत्पादों पर ये लाभ लागू होंगे। इस नई योजना के बारे में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने जानकारी दी है। इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य भारतीय व्यापारिक संगठनों को उत्तेजित करके देश की निर्यात क्षमता और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है। इस समय जब सभी देश अर्थव्यवस्थाएं फिर से चलने की ओर बढ़ रही हैं, यह निर्णय एक चार्टर स्ट्राइक का माना जा सकता है जो देश की आर्थिक गतिविधि को पुनरस्थापित करेगा।

सेबी ने एमसीएक्स पर लगाया 25 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सॉफ्टवेयर सेवाओं के लिए भुगतान के संबंध में अपर्याप्त खुलासे के लिए मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) पर 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। सेबी ने अपने आदेश में कहा कि जुर्माना राशि 45 दिन के भीतर जमा कर दी जानी चाहिए। यह मामला ट्रेडिंग सॉफ्टवेयर अनुबंध के लिए 63 मून्स टेक्नोलॉजीज को किए गए भुगतान के संबंध में खुलासा चूक से संबंधित है। एमसीएक्स ने 2003 में 63 मून्स टेक्नोलॉजीज के साथ एक ट्रेडिंग सॉफ्टवेयर अनुबंध किया था। उस समय 63 मून्स के ही पास एमसीएक्स का पूर्ण स्वामित्व था। वर्ष 2020 में एमसीएक्स ने एक नए ट्रेडिंग मंच पर जाने का फैसला किया और इसका अनुबंध टीसीएस को दिया था। हालांकि, समय पर यह मंच नहीं शुरू हो पाने से एमसीएक्स ने 63 मून्स के साथ ही अधिक लागत पर सेवाओं का विस्तार करने का फैसला किया। हालांकि, उसने किए जा रहे उच्च भुगतानों का खुलासा नहीं किया।

केईसी इंटरनेशनल का मुनाफा 76 प्रतिशत बढ़कर 268 करोड़ हुआ

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग खरीद एवं निर्माण कंपनी केईसी इंटरनेशनल का जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 76 प्रतिशत बढ़कर 268 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का पिछले वर्ष इसी तिमाही में मुनाफा 152 करोड़ रहा था। बयान के अनुसार केईसी का समीक्षाधीन अवधि में राजस्व सालाना आधार पर 11.46 प्रतिशत बढ़कर 6,872 करोड़ रुपये हो गया। कर पूर्व आय भी बढ़कर 539 करोड़ रुपये हो गई। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 347 करोड़ रुपये से 64.55 प्रतिशत बढ़कर 571 करोड़ रुपये हो गया। राजस्व भी 19,914 करोड़ रुपये से बढ़कर 21,847 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए दो रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 5.5 रुपये का लाभांश देने की भी सिफारिश की है।

भारत के दुनिया में चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से विनिर्माण क्षेत्र को मिलेगी मजबूती

साल 2014 में 2 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा पार किया था

नई दिल्ली।

भारत की अर्थव्यवस्था जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। भारत की अर्थव्यवस्था ने चार ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है, जो देश के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। इससे न केवल देश को वैश्विक आर्थिक मंच पर मजबूती हासिल हुई है, बल्कि इससे आम आदमी को भी कई लाभ मिलेंगे। भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का विकास एक जटिल और बहुआयामी प्रक्रिया है, जो देश की आर्थिक, सामाजिक, और तकनीकी प्रगति को दर्शाती है। अर्थव्यवस्था का विकास तब होता है जब कोई देश अपने संसाधनों का प्रभावी उपयोग करके उत्पादन, आय, और जीवन की गुणवत्ता में निरंतर और समावेशी सुधार करता है।

साल 2000 तक भारत की जीडीपी 0.47 ट्रिलियन डॉलर थी। भारत ने 2007 में 1 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी हासिल की, जो स्वतंत्रता के बाद 6 दशकों में प्राप्त हुआ था। इसके बाद साल 2014 में 2 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा पार किया था। साल 2021 में भारत 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनी थी। जिसके बाद अब केवल 4 साल में भारत की जीडीपी 4 ट्रिलियन डॉलर पार हो गई है।

आम आदमी को लाभ- 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ भारत में सर्विस टेक्नोलॉजी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में निवेश और बढ़ेगा।

संभावना जताई जा रही है कि मेक इन इंडिया जैसी पहले विनिर्माण क्षेत्र को और मजबूत करेगी। जिससे नौकरियां भी बढ़ेगी और बेरोजगारी की समस्या कम होगी।

टाटा मोटर्स का घरेलू ईवी बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने का लक्ष्य

मुंबई।

टाटा मोटर्स ने घरेलू इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल मार्केट में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी के अधिकारी ने बताया कि टाटा मोटर्स अपनी आगामी हैरियर.ईवी और सिएरा.ईवी के साथ 20 लाख रुपये से ऊपर के बाजार में उतरने की योजना बना रही है। कंपनी का लक्ष्य है लॉन्ग टर्म में बाजार में 50 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी हासिल करना। हालांकि, इस क्षेत्र में मार्केट से मिल रही तगड़ी कंपटीशन के चलते टाटा मोटर्स को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अ धिकारी ने दावा किया कि कंपनी अपने बेड़े में ईवी स्वामित्व की कुल लागत को सीएनजी वाहन के समान स्तर पर लाने के लिए काम कर रही है ताकि वॉल्यूम हासिल किया जा सके। इस नजरिये से देखा जाए तो, टाटा मोटर्स की इलेक्ट्रिक व्हीकल मार्केट में प्रवेश के प्रयासों का सफलतापूर्ण होना संभव है, लेकिन उन्हें चुनौतियों का सामना करते हुए चुस्त रहने की आवश्यकता है।

दान के मामले में अंबानी और अडानी से कई गुना आगे हैं ये शख्स

मुंबई।

गूगल के सह-संस्थापक सर्गेई ब्रिन इस सप्ताह सुर्खियों में है। ब्रिन ने अल्फाबेट इंक के करीब 700 मिलियन डॉलर मूल्य के शेयर तीन परोपकारी संगठनों को दान किए। यह जानकारी उनके पारिवारिक कार्यालय बेशोर ग्लोबल से मिली है। दान का सबसे बड़ा हिस्सा क्लास ए और क्लास सी स्टॉक के बीच समान रूप से विभाजित करीब 3.2 मिलियन अल्फाबेट शेयर- कैटालिस्ट4 को गया, जो 2021 में ब्रिन के स्थापित एक गैर-लाभकारी संस्था है। कैटालिस्ट4 केंद्रीय तंत्रिका तंत्र विकारों में अनुसंधान को वित्तपोषित करने और जलवायु परिवर्तन का समाधान खोजने पर काम करती है। ब्रिन ने अल्फाबेट के 580,000 से अधिक शेयर अपने पारिवारिक फाउंडेशन को दिए, और माइकल जे फॉक्स फाउंडेशन को लगभग 282,000 शेयर उपहार स्वरूप दिए, जो पार्किंसंस रोग अनुसंधान में सहयोग करता है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार 51 वर्ष की उम्र में भी ब्रिन दुनिया के सबसे धनी व्यक्तियों में से एक हैं। 143 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति के साथ वे विश्व स्तर पर 10वें स्थान पर हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 625 और निफ्टी 175 अंक नीचे आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 624.82 अंक तकरीबन 0.76 फसदी नीचे आकर 81,551.63 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 174.95 अंक करीब 0.70 फीसदी नीचे आकर 24,826.20 अंकों पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 25 कंपनियों के शेयर गिरावट पर रहे

आज सेंसेक्स की 30 में से केवल 5 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ बंद हुए और शेष सभी 25 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर आज निफ्टी की 50 में से केवल 10 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए। वहीं अन्य सभी 40 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 2.60 फीसदी जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 2.21 फीसदी नीचे आये।

वहीं सनफार्मा के शेयर 0.42 फीसदी , अडाणी पोर्ट्स 0.34 फीसदी, नेस्ले इंडिया 0.33 फीसदी और एशियन पेंट्स के शेयर 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।

आईटीसी, टाटा मोटर्स के शेयरों में भी बड़ी गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस और इन्फोसिस जैसी भारी भरकम शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया। सेंसेक्स मंगलवार को 100 अंक से ऊपर की गिरावट

लेकर 82,038.20 पर खुला। खुलते ही इसमें बिकवाली हावी हो गई। सुबह शुरुआत के बाद यह 726.90 अंक की गिरावट लेकर 81,449.55 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 24,956.65 पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 233.80 अंक गिरकर 24,767.35 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों में मंगलवार को मिलाजुला रुख रहा। निवेशकों ने यूरोपीय संघ के आयात पर 50 फीसदी टैरिफ टालने के ट्रम्प के फैसले पर विचार किया। जापान का निक्केई 0.15 फीसदी नीचे था। जबकि ब्रोडर टॉपिक्स इंडेक्स स्थिर था। कोस्पी 0.32 फीसदी फिसला। यह सोमवार को तीन महीने के उच्चतम स्तर से नीचे फिसल गया।

वहीं, एएसएक्स 200 ट्रेंड के उलट 0.16 फीसदी बढ़ा। सोमवार को मेमोरियल डे के कारण अमेरिकी बाजार बंद रहे। लेकिन ट्रम्प के टैरिफ में देरी के बाद फ्यूचर्स में उछाल आया। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज से जुड़े फ्यूचर्स में 1 फीसदी की वृद्धि हुई। एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 1.1 फीसदी की वृद्धि हुई और नैस्डैक 100 फ्यूचर्स में 1.3 फीसदी की वृद्धि हुई।

सोने के भाव में नरमी के बाद तेजी, चांदी फिसली

सोने के भाव 96,000 रुपए प्र ति 10 ग्राम, चांदी के भाव 97,900 रुपए के करीब

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजार में नरमी के बीच घरेलू बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत मंगलवार को नरमी के साथ हुई। हालांकि सोने के भाव बाद में सुधर गए, लेकिन चांदी नरमी के साथ ही कारोबार कर रही है। इस समय घरेलू बाजार में सोने के भाव 96,000 रुपये, जबकि चांदी के भाव 97,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वै श्विक बाजार में सोन चांदी नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 337 रुपये की गिरावट के साथ 95,600 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 95,937 रुपये था। हालांकि इस समय यह 108 रुपये की तेजी के साथ 96,045 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 88 रुपये की गिरावट के साथ 97,915 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 98,003 रुपये था। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,01,999 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वै श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,355.60 डॉलर प्रति औंस के

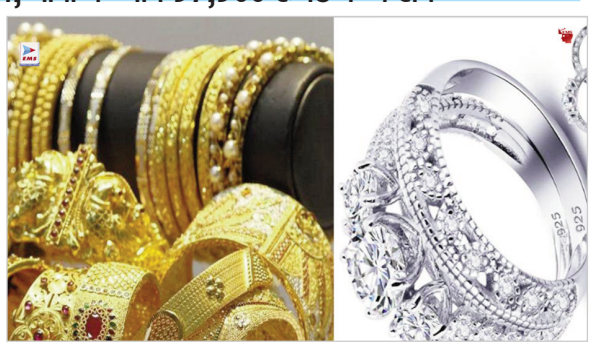

भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,365.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 20.10 डॉलर की गिरावट के साथ 3,345.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव पिछले महीने 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.61 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 33.60 डॉलर था। इस समय यह 0.09 डॉलर की गिरावट के साथ 33.52 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

ओयो ने आईपीओ के लिए फिर से बैंकों के साथ बातचीत की शुरू!

नई दिल्ली। वैश्विक यात्रा प्रौद्योगिकी मंच ओयो ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए बैंकर के साथ चर्चा शुरू कर दी है। सूत्रों ने यह जानकारी मिली है। कंपनी का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही में सूचीबद्ध होने है। निवेश बैंकों के साथ प्रारंभिक चर्चा से संकेत मिला है कि सार्वजनिक पेशकश के लिए संभावित मूल्यांकन सीमा छह से सात अरब अमेरिकी डॉलर है। बताया जा रहा है कि कंपनी ने पिछले महीने अनौपचारिक चर्चा शुरू की थी और अब वह प्रस्तावों पर विचार कर रही है। सूत्रों ने कहा कि कंपनी भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग संस्थानों के साथ बातचीत कर रही है और इस साल अगस्त-सितंबर के बीच दस्तावेज दाखिल करने की योजना है। साथ ही अभी यह तय नहीं हुआ है कि वित्त वर्ष 2024-25 के वित्तीय परिणाम दाखिल किए जाएं या वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के वित्तीय परिणाम ऑडिट होने और दाखिल करने के लिए तैयार होने तक इंतजार किया जाए। नए सिरे से आईपीओ लाने की पहल ऐसे समय में की गई है, जब ओयो ने 2021 में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपने दस्तावेज दाखिल और फिर दोबारा दाखिल किए थे। इसमें सार्वजनिक पेशकश के जरिये 8,430 करोड़ रुपये जुटाने की बात कही गई थी। कंपनी ने हालांकि मई 2024 में यह दस्तावेज वापस ले लिए थे।

कार खरीदने की प्रक्रिया को आसान बनाया एआई ने

नई दिल्ली।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने लोगों के लिए कार खरीदने की प्रक्रिया को भी काफी आसान और सुलभ कर दिया है। दरअसल, एआई ग्राहकों को बेहतर और ज्यादा पर्सनलाइज्ड एक्सपीरियंस देने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह पूरी प्रक्रिया को पहले से कहीं ज्यादा सुविधाजनक, कुशल और पारदर्शी बना सकता है। काफी सारी ऑटोमोबाइल कंपनी ने एआई और चैटबोट पर काफी काम किया है और लोगों के लिए कार खरीदने के अनुभव को काफी आसान बना दिया है। अब घर बैठे कार बुक करा सकते हैं और डिलीवरी आपके घर पर हो जाती है। आइए, आज जानते हैं कि कार खरीदने में एआई कैसे मददगार साबित होता है। कार खरीदने से पहले लोग शोरूम जाकर टेस्ट ड्राइव लेते हैं, जहां सेल्स एग्जिक्यूटिव ग्राहकों को कार के लुक-फीचर्स और पावर-परफॉर्मेंस से जुड़ी सारी जानकारी देता है। अब एआई की मदद से यह काम काफी आसान हो गया है।

चैटबॉट और वर्चुअल असिस्टेंट लोगों को सारे सवालों का जवाब देते हैं। लोग अपने घर बैठे ही अलग-अलग कारों की वर्चुअल टेस्ट ड्राइव ले सकते हैं, जिससे आपको कार के इंटीरियर, फीचर्स और ड्राइविंग डायनैमिक्स का एक्सपीरियंस मिल सकता है। एआई -पावर्ड उपकरण आपको कार को अलग-अलग कलर, ट्रिम्स और एक्सेसरीज के साथ कॉन्फिगर करने की अनुमति देते हैं और आप रियल टाइम में देख सकते हैं कि यह कैसी दिखेगी। इससे ग्राहकों को फैसला लेने में आसानी होती है। वर्चुअल शोरूम 24/7 उपलब्ध होते हैं। बता दें कि आजकल काफी सारे ग्राहक कार खरीदते समय फाइनैंसिंग विकल्प अपनाते हैं। ऐसे में एआई फाइनैंसिंग प्रोसेस को फास्ट और ज्यादा पर्सनलाइज्ड बना सकता है। एआई कार बायर की क्रेडिट हिस्ट्री, फाइनैंशियल कंडिशन और प्राथमिकताओं का विश्लेषण करके पर्सनलाइज्ड लोन टर्म्स के बारे में बताता है। एआई -पावर्ड प्लैटफॉर्म अक्सर तत्काल लोन अप्रूव कराने में मदद करते हैं। एआई कागजी कार्रवाई को स्वचालित करके और लोन अप्रूवल टाइम को कम करके डीलरशिप की एफिसिएंसी में सुधार कर सकता है। बता दें कि एआई कार खरीदने की प्रक्रिया में पारदर्शिता और उचित मूल्य निर्धारण लाने में मदद करता है। दरअसल, ग्राहक अक्सर कन्फ्यूज होते हैं कि उन्हें अपने बजट में कौन-कौन सी कार मिल सकती है। एआई एल्गोरिदम मार्केट डेटा (जैसे कार का मॉडल, साल, माइलेज, स्थिति और स्थान) का विश्लेषण करके एक इस्तेमाल की हुई कार के लिए या एक नई कार के लिए सबसे सही प्राइस का सुझाव दे सकते हैं। एआई धोखाधड़ी वाली लिस्टिंग का पता लगाने और वाहन के इतिहास का विश्लेषण करने में भी मदद कर सकता है।

स्कूटर सुजुकी ई-एक्सेस जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली।

सुजुकी मोटरसाइकल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर सुजुकी ई-एक्सेस जल्द ही भारतीय बाजार में लॉन्च किया जाएगा। इस स्कूटर का प्रोडक्शन गुरुग्राम प्लांट में शुरू हो चुका है। इसमें बैटरी पैक 3.07केडब्ल्यूएच लिथियम आयरन फॉस्फेट का होगा जिसकी रेंज (सिंगल चार्ज) 95 किमी तक होगी। इसका चार्जिंग टाइम 0-100 प्रतिशत तक 7 घंटे से कम होगा। मोटर पावर 4.1 केडब्ल्यूएच, टॉर्क 15एनएम तथा टॉप स्पीड 71केएमपीएच होगी। इसकी बैटरी फिक्स्ड, स्वैपेबल नहीं है। इसकी ब्रेक लगाते वक्त बैटरी चार्ज होती है, इसको कम मेंटेनेंस की जरूरत होती है। इसकी डिजाइन स्पोर्टी और फ्यूचरिस्टिक है और कलर ऑप्शन में 3 डुअल-टोन विकल्प है। इसके लाइट्स फुल एलईडी (हेडलैंप और टेललैंप) है, इसमें स्मार्टफोन कनेक्टिविटी नेविगेशन और ट्रैफिक अलर्ट की सुविधा दी गई है। कंपनी सुजुकी चाहती है कि उसके सभी डीलर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पूरी तरह तैयार हों। इसके लिए डीलरों को तकनीकी ट्रेनिंग दी जा रही है। आवश्यक इन्फ्रास्ट्रक्चर और टूल्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ग्राहक सेवा को परेशानी-मुक्त बनाने की दिशा में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सुजुकी ई-एक्सेस न केवल एक नया इलेक्ट्रिक स्कूटर है, बल्कि यह सुजुकी का भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में पहला बड़ा कदम है। किफायती कीमत, एडवांस फीचर्स और भरोसेमंद ब्रांड वैल्यू के साथ यह स्कूटर मिड-सेगमेंट खरीदारों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन सकता है। लॉन्च के बाद यह स्कूटर मौजूदा खिलाड़ियों के लिए कड़ी चुनौती पेश करेगा। सुजुकी ई-एक्सेस की संभावित कीमत रुपए 1.20 लाख (एक्स-शोरूम) हो सकती है। बाजार में इसका कंपटीशन ओला एस 1, एथर रिज्टा, टीवीएस आईक्यूब, होंडा ई-एक्टिवा, बजाज चेतक, हीरो वीडा वी2 से होगा।

सुरक्षित निवेश के साथ-साथ कई तरह की सुविधाएं देता हैं फिक्स्ड डिपॉजिट

मुंबई।

आमतौर पर सामान्य भारतीय सुरक्षित निवेश के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश करते हैं। एफडी की सबसे बड़ी खासियत है कि इसमें एक निश्चित रिटर्न मिलता है और आपका पैसा भी सुरक्षित रहता है। लेकिन एफडी में निवेश करने के कई और फायदे भी हैं। एफडी कराकर आप अपने लिए हर महीने कमाई का भी इंतजाम कर सकते हैं।

इस खबर में हम आपकों को एफडी के कई फायदे के बारे में बात रहे

1. एफडी में आपका पैसा हमेशी सुरक्षित रहेगा। यहां जमा राशि पर 5 लाख रुपए तक की बीमा सुविधा मिलती है। इसका मतलब यह हुआ है कि अगर किसी कंडीशन में बैंक डिफॉल्ट कर जाए या बंद हो जाए तब आपके 5 लाख रुपए पर सरकार की गारंटी होगी। यानी डिफॉल्ट केस में भी 5 लाख रुपए आपको मिल जाएंगे।

2. एफडी का दूसरा सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपको निवेश की शुरुआत में ही बता दिया जाता है कि मैच्योरिटी पर आपको कितना फायदा होगा। इसकारण इसमें कोई जोखिम नहीं है। किसी भी स्थिति में न उससे ज्यादा पैसा मिलता है और न ही कम। ये बात एफडी को फाइनेंशियल प्लानिंग के लिए एक बेहतरीन टूल बनाती है।

3. अगर आपको पैसों की जरूरत पड़ती है, तब आप एफडी पर लोन ले सकते हैं। सहूलियत के अनुसार आप इसका भुगतान कर सकते हैं। सेबी की वेब साइट पर दी जानकारी के अनुसार आप एफडी की वैल्यू का 95 प्रतिशत तक लोन ले सकते हैं।

उदाहरण के लिए अगर आपकी एफडी की कीमत 1.5 लाख रुपए है, तब आपको 1 लाख 35 हजार रुपए लोन मिल सकता है। अगर आप स्वष्ठ पर लोन लेते हैं, तब आपको एफडी पर मिलने वाले ब्याज से 1 प्रतिशत ज्यादा ब्याज देना होगा। जैसे मान लीजिए कि आपकी एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है, तब आपको 8 प्रतिशत की ब्याज दर पर लोन मिल सकता है।

4. एफडी कराकर अपने लिए हर महीने कमाई का भी इंतजाम कर सकते हैं। एसबीआई और एक्सिस बैंक सहित देश के कई प्रमुख बैंक अपने फिक्े स्े ड डिपॉजिट स्कीम के साथ मंथली इनकम स्े कीम की सुविधा निवेशकों को ऑफर कर रहे हैं। अगर आप रिटायरमेंट के बाद या इससे पहले ही मंथली इनकम की तलाश में हैं, तब मंथली फिक्े स्े ड डिपॉजिट इनकम या मंथली इंटरेस्ट पेआउट एफडी का विकल्प चुन सकते हैं। मान लीजिए अगर आप 7 प्रतिशत के सालाना ब्याज पर 5 लाख रुपए की एफडी 1 साल के लिए कराते हैं, तब आपको इस पर कुल 35,000 रुपए तैयार ब्याज मिलेगा।

राकेश गंगवाल ने इंडिगो में 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

ब्लॉक डील के माध्यम से क़रीब 11,385 करोड़ का सौदा हुआ

नई दिल्ली।

भारतीय विमानन उद्योग के अंदर एक बड़ी परिवर्तनकारी घटना हुई है, जहां इंडिगो में 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी को बेच दिया गया है। इस लेनदेन में विमानन कंपनी इंडिगो के प्रवर्तक राकेश गंगवाल और उनके पारिवारिक ट्रस्ट ने यह कदम उठाया है। सूत्रों के मुताबिक इस ब्लॉक डील के माध्यम से क़रीब 11,385 करोड़ रुपये का सौदा हुआ है। इस कदम के साथ गंगवाल परिवार के अलावा चिन्करपू फैमिली ट्रस्ट भी इंडिगो में अपनी हिस्सेदारी बेचने में शामिल हो गये हैं। यह सौदा निवेश बैंकिंग कंपनियों गोल्डमैन सैक्स, मॉर्गन स्टेनली, और जेपी मॉर्गन द्वारा नियोजित किया गया है। राकेश गंगवाल और उनके परिवार के पास पहले से ही इंडिगो में 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जिसे अब इस लेनदेन के जरिए बेच दिया गया है। इस लेनदेन के बाद गवाल अब केवल 5.24 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं। शेयर बिक्री गंगवाल द्वारा फरवरी 2022 में सह-संस्थापक राहुल भाटिया के साथ कथित कामकाज के मुद्दों पर हुए विवाद के बाद अपनी शेयरधारिता को कम करने के निर्णय का हिस्सा है। ओ धिको रिक सूत्रों के मुतो बिक गंगवाल और उनकी पत्नी शोभा गंगवाल फरवरी 2022 से इंडिगो में अपने शेयर बेच रहे हैं। राकेश और शोभा ने सितंबर 2022 में 2.74 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,005

करोड़ रुपये में बेची। फरवरी 2023 में शोभा ने कंपनी में चार प्रतिशत हिस्सेदारी 2,944 करोड़ रुपये में बेची। बाद में अगस्त में शोभा ने करीब 2.9 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,800 करोड़ रुपये से कुछ अधिक में बेची।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेल पाने से हारे- पंड्या

जयपुर।

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने पंजाब किंग्स के खिलाफ अंतिम लीग मैच में मिली हार पर निराशा जतायी है। पंड्या ने कहा कि इस मैच में हमने करीब 20 रन कम बनाये जिससे मैच हमारे हाथ से निकल गया। इस मैच मे मुम्बई ने सूर्यकुमार के अर्धशतक की सहायता से 184 रन बनाए थे पर पंजाब के प्रियांश और जोश इंग्लिस ने अर्धशतक लगाकर मैच पलट दिया। । पंड्या ने कहा कि विकेट जिस तरह से खेल रहा था, हम निश्चित रूप से 20 रन कम बना पाये थे। खेल में ऐसा होता ही है, हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं कर पाने से हारे हैं। आईपीएल ऐसा ही है, हमने 5 ट्रॉफ़ी जीती हैं, यह हमेशा ही कठिन रहा है। जब भी आप गति कम करते हैं, तो दूसरी टीमें हावी हो जाती है। हार्दिक ने कहा कि इस मैच से हमें सीख मिली है कि नॉकआउट मुकाबले के लिए हमें तैयार रहना है। हार्दिक ने कहा कि हम बाद में इस पर बात करेंगे कि कहां गलती हुई है हालांकिहम निश्चित रूप से 20 रन कम बना पाये थे। हम शुरुआत में या बीच में इसका लभा उठा सकते थे, हम इसका पता लगा लेंगे।

आईपीएल समापन समारोह में ऑपरेशन सिंदूर की जीत का जश्न मनाएगा बीसीसीआई

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि वह ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाएगा।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि यह जश्न तीन जून को होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग फाइनल के दिन मनाया जाएगा।

इसके लिए तीनों सेना के प्रमुखों को आमंत्रित किया जाएगा।

टूर्नामेंट के समापन समारोह के दौरान सेना को ऑपरेशन सिंदूर में उनके 'वीरतापूर्ण प्रयासों के लिए सलामी दी जाएगी।

सैकिया ने कहा, 'हमने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए सशस्त्र बलों के प्रमुखों, शीर्ष अधिकारियों और सैनिकों को अहमदाबाद में आईपीएल फाइनल के लिए आमंत्रित किया है।

सैकिया ने कहा कि बीसीसीआई देश के सशस्त्र बलों की 'वीरता, साहस और निस्वार्थ सेवा को नमन करता है।

उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर के तहत वीरतापूर्ण प्रयासों की सराहना की जिसने राष्ट्र की रक्षा करते हुए सभी को प्रेरित भी किया।

सैकिया ने कहा, 'उनकी सराहना के तौर पर हमने समापन समारोह को सशस्त्र बलों को समर्पित करने और अपने नायकों को सम्मानित करने का फैसला किया है।

जहां देश में क्रिकेट एक राष्ट्रीय जुनून बना है पर हमारे देश और इसकी संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा से बड़कर कुछ भी नहीं है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तानी में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था।

इसके बाद पाक सेना के हमलों को भी भारतीय सेना ने विफल कर करते हुए जबरदस्त जवाबी कार्रवाई की थी।

ऐसे में मजबूर होकर पाक ने संघर्ष विराम की गुहार लगायी थी जिसे भारत ने स्वीकार कर लिया।

सही समय पर कदम उठाने से जीत मिली : श्रेयस अय्यर

जयपुर।

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टीम के शीर्ष दो में पहुंचने पर खुशी जतायी है। श्रेयस ने इसके लिए सभी के एकजुट होकर किये प्रयासों को जिम्मेदार बताया है। पंजाब की टीम एक दशक के बाद शीर्ष दो में पहुंची है। पिछली बार कोलकाता नाइटराइडर्स को खिताब जिताने वाले श्रेयस इस बार पंजाब को जीत दिलाना चाहते हैं। उनकी कप्तानी में पंजाब ने पांच बार कि खिताब विजेता मुम्बई को हराया। मुम्बई के खिलाफ जीत के बाद श्रेयस ने कहा कि मुझे लगता है कि सभी ने सही समय पर कदम उठाया। हम हर हाल में जीत के इरादे से उतरे थे। श्रेयस ने जीत के लिए सहयोगी स्टाफ और प्रबंधन को भी बधाई दी है। उन्होंने कोच रिकी पोंटिंग से मिले सहयोग को भी याद किया। साथ ही कहा कि कोच फैसले लेने की उन्हें पूरी आजादी देते हैं। श्रेयस ने युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने जिस तरह से टीम को अच्छी शुरुआत दी उससे भी टीम को जीत में सहायता मिली। साथ ही कहा कि सभी ने निडर होकर खेला जिससे देखकर खुशी हुई है। खिलाड़ी नेट सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हैं और इसका प्रभाव मैदान पर भी दिखता है। वहीं बल्लेबाज जोश इंगलिस के बारे में उन्होंने कहा कि उन्हें नई गेंद खेलना पसंद

है और मैं चाहता था कि वे अधिक से अधिक गेंदें खेलें। और मुझे पता है कि वे विरोधियों के लिए घातक साबित हो सकते हैं क्योंकि वह बड़े मैचों के खिलाड़ी हैं। उम्मीद है कि वे इसी तरह आगे भी ऐसा ही करते रहेंगे। पिछले कुछ सालों से हमारे बीच दोस्ती है, वे (पोंटिंग) मुझे मैदान पर निर्णायक होने देते हैं, ये सभी चीजें शानदार तरीके से हुई हैं। मैं खुश हूं कि सब कुछ ठीक चल रहा है।

गुजरात और मुम्बई इस प्रकार पहुंच सकती है शीर्ष दो में

मुम्बई।

पंजाब किंग्स की टीम मुंबई इंडियंस को हराकर शीर्ष-दो में पहुंच गयी है। ऐसे में अब पंजाब की टीम 29 मई को क्वालीफायर 1 खेलेगी। वहीं मुम्बई की टीम अंक तालिका में चौथे स्थान पर खिसक गयी है। ऐसे में उसे 30 मई को मुल्लांपुर में एलिमिनेटर मुकाबले में उतरेगी। मुंबई और गुजरात के पास अब भी शीर्ष दो में आने का अवसर है। वहीं आरसीबी की टीम को शीर्ष दो में पहुंचने के लिए अंतिम लीग मैच बड़े अंतर से जीतना होगा जबकि अगर आरसीबी हार जाती है तो वह तीसरे नंबर पर फिसल जाएगी। ऐसे में उसे मुम्बई के खिलाफ खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में खेलना होगा। वहीं अगर आरसीबी जीतती है तो गुजरात टाइटंस तीसरे स्थान पर फसल जाएगी और उसे मुम्बई के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबला खेलना होगा। पंजाब किंग्स के बराबर अंक तक पहुंचने के लिए आरसीबी की टीम को लखनऊ को मैच में बड़े अंतर से हराना हराना होगा क्योंकि उसका रन रेट कम है। इस मैच के साथ ही आईपीएल 2025 का ग्रुप-चरण समाप्त हो जाएगा। पंजाब ने मुंबई पर जीत के साथ क्वालीफायर-1 में जगह पक्की कर ली है। अब पंजाब का क्वालीफायर-1 में सामना आरसीबी या गुजरात में से किसी टीम से हो सकता है।

आईपीएल क्वालीफायर पर मंडराया बारिश का साया

चंडीगढ़।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 29 और 30 मई को यहां के मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले प्लेऑफ मुकाबलों में बारिश बाधा बन सकती है। चंडीगढ़ मौसम विभाग के निदेशक सुरिंदर पॉल के अनुसार 29 और 30 मई को यहां बारिश और तेज हवा चलने का अनुमान है। मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम भी चंडीगण के बेहद करीब है। और इसी कारण आईपीएल प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। वहीं पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) का कहना है कि उसने दोनो ही दिनों की तैयारी की है। अब देखना होगा कि बारिश कितनी होती है। साथ ही कहा कि कम बारिश होने पर मैच खेले जा सकेंगे।

क्वलीफायर-1 और एलिमिनेटर मुकाबले मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम में 20 और 30 मई को होने हैं हालांकि, इनमें कौन सी टीमें उतरेंगी , ये अभी तय नहीं हुआ है।

पीसीए ने कहा है कि 29 और 30 मई को होने वाले मैच की पूरी तैयारी है। साथ ही कहा कि दौरान अगर कुछ देर बारिश होकर रुक जाती है, तो मैच फिर से करवाया जा सकता है हालांकि ज्यादा बारिश होने पर खेल संभव नहीं होगा। पीसीए के एक अधिकारी ने कहा कि स्टेडियम में मॉडर्न हेरिंगबोन ड्रेनेज सिस्टम लगा है। इस सिस्टम से बारिश के बाद 25-30 मिनट के अंदर मैदान से पानी तेजी से निकल जजाता है। हेरिंगबोन सिस्टम में आम तौर पर एक प्रमुख पाइप होता है, जो ढलान के साथ कई छोटे पाइपों से जुड़ा होता है, जिससे मैदान का पानी तेजी से घटता है। इससे उम्मीद है कि हल्की बारिश के बाद भी मैच पूरे हो सकेंगे।

क्वालिफायर-1 राउंड में जीतने

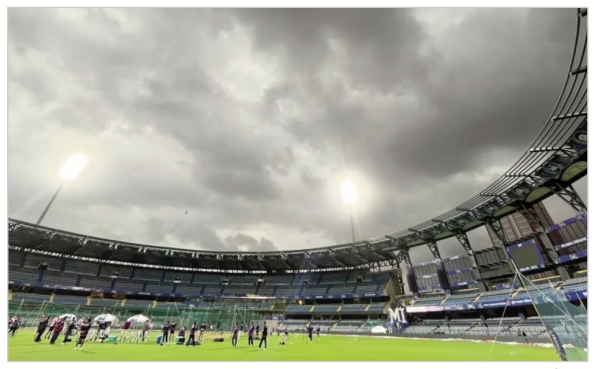

वाली टीम सीधे फाइनल में प्रवेश करेगी, जबकि हारने वाली टीम को फाइनल में जाने का एक और मौका मिलेगा।

इसके लिए उसे 30 मई को मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले एलिमिनेटर मुकाबले में खेलना होगा। यदि टीम यहां जीत जाती है तो फाइनल में प्रवेश कर जाएगी, नहीं तो वह तीसरे नंबर पर रहेगी।

आईपीएल के आयोजक बारिश की आशंका होने के कारण मैच को किसी दूसरे स्टेडियम में मैच शिफ्ट कर सकते हैं पर अभी तक ऐसी कोई योजना नहीं है। वहीं अगर मैच के पहले या बीच में बारिश हुई तो मैच रुकने के साथ कम ओवरों का हो सकता है। बारिश लगातार जारी रही तो फिर मैच रद्द भी किया जा सकता है।अगर मैच रद्द हुए तो यह मुकाबले दोबारा खेले जा सकते हैं पर लीग मैचों में ऐसा नहीं हुआ।

संक्षिप्त समाचार

गावस्कर ने नये कप्तान शुभमन को किया आगाह , अपने व्यवहार का ध्यान रखें

मुम्बई।

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम के नये कप्तान बने शुभमन गिल से कहा है उन्हें कप्तानी के दौरान अपने व्यवहार का भी ध्यान रखना होगा। गावस्कर ने कहा, कप्तान बने नये खिलाड़ी पर हमेशा दबाव रहता है क्योंकि टीम का सदस्य होने और कप्तान होने में बहुत अंतर होता है क्योंकि जब आप टीम के सदस्य होते हैं, तो आप आम तौर पर अपने करीबी खिलाड़ियों के साथ ही बातचीत करते हैं पर जब आप कप्तान बन जाते हैं, तो आपको इस तरह से समान व्यवहार करना चाहिए कि टीम के सभी खिलाड़ी आपका सम्मान करें क्योंकि उसका व्यवहा प्रदर्शन से भी अहम होता है।वहीं इससे पहले शुभमन के कप्तान बनने पर पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने कहा थ कि शुभमन आज कप्तान बने हैं पर इसका पूरा श्रेय उनके पिता और युवराज सिंह को जाता है। युवराज ने शुभमन को काफी कुछ सिखाया जिसका परिणाम अब सामने आया है। योगराज ने शुभमन के करियर को आकार देने में मजबूत मार्गदर्शन और परिवार के समर्थन को भी अहम बताया। साथ ही कहा कि अगर शुभमन गिल आज कप्तान बने हैं और लंबे समय तक बने रहेंगे, तो इसके पीछे युवराज का मार्गदर्शन होगा। शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी।

क्रिकेट में दो ही गेंदबाजों के नाम है ये रिकार्ड

मुम्बई।

क्रिकेट में कुछ ऐसे बातें हैं जिनके बारे में काफी कम लोगों को जानकारी है। इसी में एक डबल हैट्रिक भी है। हैट्रिक का मतलब जहां लगातार तीन विकेट लेना है। वहीं डबल हैट्रिक को लेकर लोग अंदाजा लगाते हैं कि इसमें 6 विकेट होंगे पर ऐसा नहीं है। क्रिकेट में डबल हैट्रिक तब कहा जाता है जब कोई गेंदबाज लगातार तीन से ज्यादा विकेट ले ले। कोई गेंदबाज लगातार 4 गेंद पर 4 विकेट हासिल करता है तो उसे डबल हैट्रिक कहा जाता है। क्रिकेट इतिहास में बहुत ही कम ऐसे गेंदबाज हुए हैं जिन्होंने डबल हैट्रिक ली है। इसका कारण है कि किसी भी गेंदबाज के लिए अपने ओवर में बिना किसी वाइड, नो बॉल के लगातार चार विकेट लेना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि होती है। वहीं डबल हैट्रिक की बात करें तो अंतरराष्ट्री क्रिकेट में श्रीलंका के महान तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा और बांग्लादेश के अल अमीन हुसैन ने यह उपलब्धि हासिल की है। है। मलिंगा ने साल 2007 एकदिवसीय विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में लगातार चार गेंद पर चार विकेट लेकर इतिहास रचा था। इसके अलावा बांग्लादेश के अल अमीन हुसैन ने घरेलू लीग मैच में लगातार 4 गेंद 4 विकेट लेकर ये कारनामा किया था।

इंग्लैड दौरे में बुमराह पर अधिक बोझ नहीं डालें : शास्त्री

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कहा है कि इंग्लैड दौरे में टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर अधिक बोझ नहीं डाला जाना चाहिये। शास्त्री ने कहा कहा कि बुमराह को हर दो मैच के बाद आराम दिया जाना चाहिये। साथ ही कहा कि उन्हें इस बात की आजादी दी जानी चाहिये कि वह अपने अनुसार मैच चुन सकें। भारतीय टीम 20 जून को हेडिंग्ले में शुरू होने वाली सीरीज में इंग्लैंड से खेलेगी और इसे उसके नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत भी होगी।

बुमराह ऑस्ट्रेलिया दौरे में लगी पीठ की चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर रहे थे। इस गेंदबाज ने आईपीएल के दौरान मुंबई इंडियंस की ओर से खेल में वापसी की थी।

शास्त्री ने कहा कि मैं बुमराह को लेकर सतर्क रहूंगा। मैं उसे एक बार में दो टेस्ट मैच दूंगा और फिर ब्रेक का इंतजार करूंगा। साथ ही कहा कि आदर्श रूप से उसे चार खेलने दें। अगर वह शानदार शुरूआत करता है तो आप उसे पांच मैच खेलने के लिए कहेंगे पर ये उसके शरीर पर निर्भर करता है। बुमराह को ये तय करने की अनुमति दी जानी चाहिए कि वह कौन सा मैच छोड़ता चाहता है। उन्होंने कहा कि

उसे ये कहने का पहला अवसर दिया जाना चाहिए कि हां, मुझे थोड़ी परेशानी हो रही है। एक ब्रेक से उसे सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि बुमराह, मोहम्मद सिराज के होने से भारतीय तेज गेंदबाज इंग्लैंड पर हावी रहेंगे।

बल्लेबाज प्रियांक पांचाल ने संन्यास लिया

मुम्बई।

भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले बल्लेबाज प्रियांक पांचाल ने खेल के सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा कर दी है। प्रियांक का प्रदर्शन घरेलू क्रिकेट में शानदार रहा है पर उन्हें एक बार भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए चयनित नहीं किया गया । ऐसे में जब उन्हें ये लगने लगा कि अब उन्हें आगे अवसर नहीं मिलेगा तो उन्होंने संन्यास लेना ही बेहतर समझा। प्रियांक घरेलू क्रिकेट में गुजरात की टीम से खेलते थे। उनके संन्यास पर गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन (जीसीए) ने उन्हें बेहतरीन क्रिकेट सफर के लिए बधाई दी है। इसके अलावा लिखा है कि प्रियांक के अलविदा कहने से एक युग समाप्त हो गया है। इस क्रिकेटर ने सभी फॉर्मेट में भारत-ए और गुजरात की कप्तानी पूरी लगन और गर्व के साथ की थी। हम उनके समर्पण की प्रशंसा करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं। पांचाल ने 16 घंटे पहले ही सोशल मीडिया पर पोस्ट करके संन्यास का संकेत दिया था। तब उन्होंने लिखा है यहां पर नजर बनाए रखें। प्रियांक ने अपने करियर में 8000 से ज्यादा रन बनाये हैं। इस क्रिकेटर ने साल 2008 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में खेलना शुरू किया था। अपने 127 फर्स्ट क्लास मैचों में इस क्रिकेटर ने 8856 रन बनाए, जिसमें 29 शतक और 34 अर्धशतक शामिल रहे। वहीं लिस्ट-ए में उनके नाम पर 3672 रन हैं। इसके अलावा उनकी कप्तानी में गुजरात ने साल 2016-17 में अपना पहला रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता था। इसके अलावा विजय हजारे ट्रॉफी (2015-16) और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (2012-13 और 2013-14) में भी गुजरात की जीत में उनकी अहम भूमिका रही थी।

भारत के गुलवीर ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली। भारतीय धावक गुलवीर सिंह ने एशियाई चैंपियनशिप में पुरुषों की 10000 मीटर दौड़ में स्वर्ण जीता है। इसी के साथ ही एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत को पहला स्वर्ण मिला है। गुलवीर ने अंतिम क्षणों में जबरदस्त तेजी दिखाते हुए सभी अन्य प्रतियोगियों को पीछे छोड़ दिया। भारत के ही सावन बारवाल चौथे स्थान पर रहे। इससे पहले यह उपलब्धि भारत के ही हरिश्चंद्र ने (1975) और जी लक्ष्मणन (2017) में हासिल की थी। राष्ट्रीय चैम्पियन गुलवीर ने इससे पहले साल 2023 में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 5000 मीटर में कांस्य पदक भी जीता था। गुलवीर ने हाल ही में डायमंड लीग में भी भाग लिया था। गुलवीर ने दौड़ को 28:38.63 मिनट में ही पूरा कर लिया। अंतिम लैप में उन्होंने बहरीन के अल्बर्ट किबिची रोप को पीछे छोड़ा और पहले स्थान पर रहे। गुलवीर ने 2022 के एशियाई खेलों में 10000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2023 में बैंकॉक में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10000 मीटर में एक और कांस्य पदक जीता था। उन्होंने देश में राष्ट्रीय फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10000 मीटर में स्वर्ण पदक भी जीता। 2025 में उन्होंने बोस्टन यूनिवर्सिटी टेरियर डीएमआर चैलेंज में 5000 मीटर में 12:59.77 का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। गुलवीर की इस जीत से एथलेटिक्स जगत में जश्न का माहौल है, खेल प्रशंसकों ने भी उन्हें बधाई दी है।

अब प्लेऑफ जीतना है लक्ष्य : पॉन्टिंग

जयपुर।

पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पॉन्टिंग ने आईपीएल में अपनी टीम के शीर्ष दो में पहुंचने पर खुशी जतायी है। पॉन्टिंग ने कहा कि मैं टीम को मिल रही सफलता पर खुश हूँ। एक टीम के रूप में कुछ हासिल करने के लिए बहुत मेहनत लगती है। नीलामी से महीनों पहले हमने खेलने का तरीका और जरूरी खिलाड़ियों पर काम किया था जिसका परिणाम अब मिल रहा है। शीर्ष-2 में जगह बनाने का हमारा सपना साकार हुआ है अब हमारा लक्ष्य प्लेऑफ जीतना है। करेंगे।

पॉन्टिंग ने इस सत्र में अपनी टीम के युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा , युवा प्रभसिमरन सिंह ने इस सत्र में जबरदस्त शुरुआत करते हए करीब 500 रन बनाए है। वहीं प्रियांश आर्या ने टूर्नामेंट में 4 से 5 मैचों में ही दिखा दिया कि उनमें कितनी क्षमता है। अनुभवी खिलाड़ियों ने युवाओं का साथ दिया इनका साथ दिया जिससे ये परिणाम आये हैं। पॉन्टिंग ने कहा कि कप्तान श्रेयस अय्यर पर नीलामी में भारी रकम लगाना सही था। मैंने उनके साथ दिल्ली कैपिटल्स में काम किया वहां टीम खिताब नहीं जीत पायी थी पर पर श्रेयस ने शानदार कप्तानी करते हुए आगे बढ़कर नेतृत्व करते हुए खिलाड़ियों से उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन निकाला। पॉन्टिंग ने टीम के जश्न को लेकर कहा कि हम ड्रिंक्स के साथ जश्न मनाएंगे। यह सिर्फ 25 खिलाड़ियों की नहीं, बल्कि सपोर्ट स्टाफ और सोशल मीडिया टीम समेत 100 लोगों की मेहनत का फल है। प्लेऑफ की तैयारियों को लेकर उन्होंने कहा, हमें नहीं पता कि प्लेऑफ में कितनी प्रैक्टिस मिलेगी या पिचें कैसी होंगी, क्योंकि चार टीमें एक ही शहर में होंगी। वहीं मार्को जेन्सन के नहीं होने को लेकर पॉन्टिंग ने कहा कि उनकी भूमिका अच्छी रही है पर उनकी जगह शामिल हुए काइल जेमिसन भी

एक अच्छे खिलाड़ी हैं जो उनकी कमी पूरी करने का प्रयास करेंगे।

सूर्यकुमार मुम्बई की ओर से एक सत्र में सबसे ज्यादा रन और छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

जयपुर। मुंबई इंडियंस के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में अपने आक्रामक अर्धशतक के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। सूर्या ने इस मैच में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इसी केसाथ ही सूर्या मुम्बई की ओर से एक सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने हैं। सूर्या ने इसी मैच में श्रीलंकाई बल्लेबाज सनथ जयसूर्या के मुंबई की ओर से सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकार्ड भी तोड़ दिया। सूर्यकुमार ने अब तक 14 मैचों में 640 रन बनाये हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड सचिन के नाम था, जिन्होंने साल 2010 में मुम्बई की ओर से 618 रन बनाए थे। सूर्यकुमार ने साल 2023 सत्र में 605 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज के लेंडल सिमंस ने साल 2015 में 540 रन बनाए थे। वहीं रोहित शर्मा ने 2013 सत्र में 538 रन बनाये थे। इस सत्र में सबसे ज्यादा बार 25 या उससे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भी सूर्यकुमार के नाम है। उन्होंने 2025 सत्र में अब तक 14 बार 25 से अधिक रन बनाए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड केन विलियमसन के नाम था, जिन्होंने साल 2018 में 13 बार यह रिकार्ड बनाया था। वहीं शुभमन गिल ने साल 2023 सत्र में 13 बार 25 से अधिक रन बनाये थे। अब टी20 क्रिकेट में लगातार सबसे ज्यादा बार 25 से अधिक रन बनाने का रिकार्ड सूर्यकुमार के नाम है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के तेम्बा बावुमा के लगातार 13 बार 25 से अधिक रनों का रिकॉर्ड्स तोड़ा। इसके अलावा सूर्यकुमार ने इस सत्र में सबसे अधिक छक्के लगाये। सूर्यकुमार ने अब तक 32 छक्के लगाये हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड सनथ जयसूर्या के नाम था, जिन्होंने साल 2008 में 31 छक्के लगाए थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नहीं आया इंटरव्यू के लिए कॉल, आपने की होंगी ये 5 गलतियां

शायद आप कुछ समय से जॉब तलाश रहे हों और आपने अलग-अलग कंपनियों, अलग-अलग पदों पर आवेदन दिया हो। हर दिन आप यह काम करते हो लेकिन आपके पास अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया हो, ना कोई कॉल, ना ई-मेल। आपके हताश होने से पहले, यहां कुछ जरूरी बातें दी जा रही है जो कि आप आवदेनों को भेजने के पहले एक बार फरि चेक कर लें।

हर आवेदन में एक ही सीवी और कवर लेटर तो नहीं यूज किया

हर जॉब अलग है और उस जॉब की जरूरत के हिसाब से सीवी में बदलाव की जरूरत होती है। आपको अपना सीवी कस्टमाइज करने के लिए समय निकालना चाहि और यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या बदलाव किया जाए कि आपको इंटरव्यू के लिए एचआर से कॉल आ जाए। अगर आपका सीवी हर जॉब के हिसाब से पर्सनलाइज्ड नहीं हुआ तो यह इग्नोर हो सकता है। एम्प्लॉयर्स यह बात नोटिस करते है कि आपके सीवी और कवर लेटर में एक ही बातें तो नहीं है। भीड़ से अलग दिखने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप एक अच्छे एम्प्लॉई बन सकते हैं। ऐसी चीजें शामिल करें जिससे कंपनी ज्यादा आकर्षित हो।

आवेदन गलत जगह तो भेज नहीं दिया

जिस व्यक्ति को आवदेन भेजना है उसके नाम में कई आवेदक गलती से या मूर्खतावश गलती कर देते हैं। वशिष रूप से जब आप अलग-अलग जगहों पर अप्लाई कर रहे हैं तो एड्रेसी और कंपनी का नाम अपडेट करना आसानी से भूल सकते हैं। इतना ही नहीं नाम की स्पेलिंग में गलती भी भारी पड़ सकती है।

आप न्यूनतम योग्यता पर खरे नहीं उतरे हैं

आपको इंटरव्यू कॉल नहीं आएगा अगर आप अंडरक्वॉलिफाइड हैं। अगर आपके पास आवश्यकतानुसार अनुभव, शैक्षणिक योग्यता नहीं है या आपने उसी माहौल या इंडस्ट्री में काम नहीं किया है तो आपका सीवी बाहर कर दिया जाएगा।

याद रखें, आपको यह पता होना चाहिए कि आप योग्य है लेकिन आप रिकूटर के लिए केवल एक कागज का टुकड़ा हैं। वे आपके बारे में उतना ही जानते हैं जो आपका पिछला अनुभव कहता है। उन्हें कई सारे सीवी देखने होते हैं और वे कभी भी अपना समय ऐसे में व्यर्थ नहीं करेंगे या आपके बारे में ज्यादा जानने की कोशिश नहीं करेंगे।

क्या आप न्यूनतम योग्यता को पार कर गए हैं

अगर आप ओवरक्वॉलिफाइड हैं तो भी आपके पास कॉल नहीं आएगा। कोई भी कंपनी ऐसे व्यक्ति को हायर नहीं करेगी। ऐसे में आपका सीवी भी रिजेक्ट हो जाएगा और वे सीवी के ढेर में नए आवेदन पर नजर घुमाएंगे।

कॉन्टेक्ट डिटेल्स अपडेट किया

भेजने से पहले आपको सीवी आपको बार-बार चेक करना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आपने आपका वर्तमान ई-मेल एड्रेस, मोबाइल नंबर और लैंडलाइन नंबर डॉक्यूमेंट्स में अपडेट कर लिया है। अगर आपने आपका पुराना सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने उसे सीवी से भी हटा दिया है। अगर आपने सोशल मीडयिा अकाउंट्स में प्राइवेसी सेंटिंग कर रखी है तो एचआर को इसके जरिए संपर्क करने का मत कहिए।

भारत में मैनेजमेंट में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के बीच एमबीए इन मार्केटिंग हमेशा से एक लोकप्रिय स्पेशलाइजेशन रहा है। मगर अब डिजिटल युग के आने से मार्केटिंग के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव आया है और अब इसमें डिजिटल मार्केटिंग भी शामिल हो गई है।

अब डिजिटल मार्केटिंग में पा सकते हैं एमबीए डिग्री

पढ़ाई के क्षेत्र के रूप में डिजिटल मार्केटिंग का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा है कि अब मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग को एक ही माना जाने लगा है। यूं तो दोनों ही क्षेत्रों में मूल काम उत्पादों व सेवाओं का प्रमोशन तथा सेल्स है मगर डिजिटल मार्केटिंग में अपनाई जाने वाली रणनीतियां परंपरागत मार्केटिंग से बहुत अलग और कहीं अधिक प्रभावी होती हैं। डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता और इसके लगातार विस्तार को देखते हुए मैनेजमेंट गुरुओं ने एमबीए कोर्स के लिए डिजिटल मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन की अलग ब्रांच की जरूरत महसूस की। आज डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए का विकल्प तो उपलब्ध है मगर कई विद्यार्थियों में इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति है कि मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग में क्या अंतर है और वे इन दोनों में से किस स्पेशलाइजेशन का चयन करें। तो चलिए, डिजिटल मार्केटिंग के बारे में थोड़ा और विस्तार से जानते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग से कैसे अलग

जहां 'मार्केटिंग'' में सभी प्रकार की मार्केटिंग आती है, वहीं 'डिजिटल मार्केटिंग'' में केवल डिजिटल माध्यमों द्वारा की गई मार्केटिंग शामिल है। इनमें वेबसाइट, सोशल नेटवर्क, बैनर ऐड, गूगल ऐड, सर्च रिजल्ट, यूट्यूब वीडियो आदि आते हैं। परंपरागत मार्केटिंग में विज्ञापनदाता से उपभोक्ता की ओर सूचना का एकतरफा प्रवाह होता है। वहीं डिजिटल माकेटिंग में दोतरफा संवाद संभव है। परंपरागत मार्केटिंग में जहां विज्ञापन की लागत बहुत अधक आती है, वहीं डिजिटल मार्केटिंग में यह कम रहती है। परंपरागत मार्केटिंग कैंपेन काफी पहले से प्लान किए जाते हैं मगर डिजिटल कैंपेन तात्कालिक भी हो सकते हैं।

एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग

कई युवाओं का तर्क होता है कि केवल डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए कर अपनी पढ़ाई का स्कोप सीमित करने के बजाय मार्केटिंग में एमबीए करना बेहतर है। यह बात अपनी जगह सही हो सकती है मगर आप जरा डिजिटल मार्केटिंग को भविष्य के नजरिये से भी देखें। पिछले एक दशक में सारे बिजनेस घरानों ने अपना ध्यान मार्केटिंग के परंपरागत माध्यमों से हटाकर डिजिटल माध्यमों पर केंद्रित कर दिया है। डिजिटल मार्केटिंग की लोकप्रियता के कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं कम लागत, तत्काल प्रतिसाद, लचीलापन, सुविधा और प्रभावशीलता। कई जानकार तो यह भी कहते हैं कि आज के दौर में अगर आपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग नहीं की, तो ग्राहक आपसे दूर ही रहेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि आने वाले समय में सारी मार्केटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर ही जाएगी। इस प्लेटफॉर्म पर खास तरह की मैनेजमेंट स्किल की जरूरत होती है। इसीलिए एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतर तथा आकर्षक करियर ऑप्शन बन गया है।

क्या है स्कोप

हमारे यहां अब भी यह फील्ड अपने शुरूआती दौर में है और इसके बड़ी तेजी से विस्तार लेने की उम्मीद है। डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए के विद्यार्थियों को तकनीकी बुनियाद तथा डिजिटल लैंग्वेज के कॉन्सेप्ट्स से रूबरू कराया जाता है। इसमें ये विषय भी शामिल होते हैं : वेब एनालिटिक्स, एडवर्टाइजिंग कम्युनिकेशन, बायर बिहेवियर, मार्केटिंग मैनेजमेंट, बी2बी ई-मार्केटिंग, इंटरनेट मार्केटिंग स्ट्रैटेजी आदि। भविष्य में इनमें सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, सर्च इंजिन मार्केटिंग आदि के भी शामिल किए जाने की संभावना है।

पे-पैकेज

काफी नई फील्ड होने के बावजूद डिजिटल मार्केटिंग वेतन के लिहाज से बेहद आकर्षक है। एक नया डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 4 से 5 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज पा सकता है। अनुभव के साथ इसमें तीव्रता से वृद्धि होती है। 5 से 7 साल का अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 10-12 लाख का वार्षिक पैकेज पा सकता है।

करियर ऑप्शन

डिजिटल मार्केटिंग में डिग्री लेने के बाद करियर के कई ऑप्शन खुले होते हैं। फिलहाल हम इनमें से 3 सबसे बेहतर ऑप्शंस की चर्चा करेंगे।

डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर

इन्हें मार्केटिंग की भाषा में 'बज क्रिएटर'' भी कहा जाता है। ये कस्टमर बिहेवियर डेटा पर काम करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग की ऐसी रणनीति तैयार करते हैं, जिससे उस उत्पाद या सेवा के प्रति उपभोक्ता की जिज्ञासा जागे। ईमेल मार्केटिंग, ईकॉमर्स, सोशल मीडिया कैंपेन आदि इनके काम का हिस्सा हैं। डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में जॉब के अवसर अकेले इस साल ही 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अगर आप डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप कोडिंग, वेब डिजाइन, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मार्केटिंग इकोनॉमिक्स तथा जनरल मैनेजेरियल एप्टिट्यूड में पारंगत हो जाएं।

इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर

अगर आपमें डेटा कलेक्शन और प्रोसेसिंग का हुनर है, तो आप इस फील्ड में करियर बना सकते हैं। इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर को मुख्य रूप से मार्केट रिसर्च एनालिस्ट के रूप में काम करना होता है। वे कस्टमर बिहेवियर डेटा का अध्ययन कर यह तय करते हैं कि उत्पाद या सेवा की बिक्री की कितना संभावना है। इसमें एमबीए की डिग्री के अलावा मार्केट रिसर्च एंड एनालिसिस में सर्टिफिकेशन आपके काम आएगा।

डिजिटल सेल्स मैनेजर

मार्केटिंग व सेल्स एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सो कई कंपनियां डिजिटल सेल्स की जिम्मेदारी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोफेशनल को सौंपती हैं। यदि आपको डिजिटल मीडिया व निजता कानूनों, ब्राण्ड मैनेजमेंट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आदि का ज्ञान है, तो डिजिटल सेल्स मैनेजर के रूप में यह आपको बहुत काम आएगा।

साइंस स्टूडेंट्स के लिए इस क्षेत्र में ढेरों हैं संभावनाएं

विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आए दिन नई-नई शाखाएं जुड़ रही हैं। नैनो टेक्नोलॉजी भी तुलनात्मक रूप से एक नया क्षेत्र है। नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर देश-विदेश में छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को 'साइंस ऑफ मिनिएचर' अर्थात लघुतर का विज्ञान भी कहा जाता है। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन (10-9 मीटर = 1 नैनोमीटर) में बदल जाती है, तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में बड़ा भारी परिवर्तन आ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नैनो टेक्नोलॉजी एक ऐसा विषय क्षेत्र है, जिसमें नए अवसरों की भरमार है। नैनो टेक्नोलॉजी वैज्ञानिकों को व्यावहारिक सीमाओं से परे जाकर आणविक स्तर पर प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करती है।

हर क्षेत्र में पैठ

नैनो टेक्नोलॉजी वर्तमान में मानवीय जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रवेश कर चुकी है। यह तकनीक बायोसाइंस, मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में चमत्कार कर रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नैनो टेक्नोलॉजी प्रत्येक क्षेत्र जैसे मेडिसिन, एयरोस्पेस, इंजीनियरिंग, विभिन्न उद्योगों और तकनीकी क्षेत्रों, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। कुल मिलाकर ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा।

आर एंड डी पर आधारित

आने वाले समय में नैनो टेक्नोलॉजी के फायदों को देखते हुए पूरे विश्व में अकादमिक स्तर पर इसे एक विषय के रूप में अपनाया जा रहा है। नैनो टेक्नोलॉजी के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स हमारे देश में उपलब्ध हैं। एमटेक और एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन आदि विषयों से ग्रेजुएशन कर चुके विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है।

नैनो टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का स्वरूप मूलत : रिसर्च एवं डेवलपमेंट (आर एंड डी) पर आधारित होता है। इसके पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पहले संबंधति विषय के आधारभूत सिद्धांतों से परिचित कराया जाता है। इसके बाद इस तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के अनुरूप अप्लाइड रूप देकर अन्य विषयों की जानकारी दी जाती है, ताकि पाठ्यक्रम रोचक, वस्तुनिष्ठ व ज्ञान पर आधारित बन सके। इसमें पदार्थ के भौतिक, रासायनिक तथा जैविक गुणों का सूक्ष्मतम अध्ययन कराया जाता है। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु में क्वांटम थ्योरी, लिथोग्राफी, कार्बनिक और अकार्बनिक नैनो मटेरियल, स्पेक्ट्रोग्राफी, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे डिफ्रैक्शन, रमन प्रभाव, नैनो बायोसाइंस, जीन स्ट्रक्चर आदि शामिल हैं।

करियर के कई विकल्प

नैनो टेक्नोलॉजी का अध्ययन करने वालों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं। यह तकनीक रक्षा, सैन्य सामग्री निर्माण, फॉरेंसिक साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करती है। नैनो टेक्नोलॉजी पर्यावरण, कृषि, टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार प्रदान करती है। इस तकनीक का प्रयोग कैंसर के इलाज में भी किया जा रहा है। इसलिए स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में यह तकनीक अच्छी करियर की संभावनाएं रखती है। नैनो टेक्नोलॉजी के अध्यापन के क्षेत्र में भी करियर बनाया जा सकता है।

खुल रहे हैं नए द्वार

नैनो टेक्नोलॉजी के द्वारा विभिन्न तत्वों की बॉण्ड संरचना में परिवर्तन करने पर या उनका आपस में संयोग करने पर एकदम नए तत्व का निर्माण भी किया जा सकता है। इस विषय में अभी बहुत-से नए आयाम खोजे जाने बाकी हैं तथा इसके प्रयोग से भौतिकी के लगभग सभी सिद्धांतों को यथार्थ रूप दे पाना संभव हो सकता है। इसलिए यह विषय शोधर्थियों के लिए कार्यक्षेत्रों के नए द्वार खोलता है। इस टेक्नोलॉजी को और भी उन्नात बनाने तथा भविष्य में इस क्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए भारत सरकार भी पहल कर रही है। अमेरिका का नेशनल साइंस फाउंडेशन 'नेशनल नैनो टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव' नामक योजना चला रहा है। इसके साथ ही विश्व के तमाम उन्नत देश भी इस पर अलग-अलग नामों से योजनाएं चला रहे हैं। अनेक देश इस विषय में शोध के लिए प्रतिवर्ष अरबों रुपए खर्च कर रहे हैं। स्पष्ट है कि इसके चलते इस क्षेत्र में जॉब्स के भरपूर अवसर निर्मित होने जा रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को आज जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं शिक्षित, प्रशिक्षित तथा कुशल कर्मचारियों की कमी। नैनो टेक्नोलॉजी विभिन्न प्रमुख नवाचारों के विकास में संलग्न है और इस क्षेत्र में नित नए प्रयोग हो रहे हैं, जिससे कुशल मानवशक्ति को रोजगार के उजले अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, गुवाहाटी
- आईआईटी, कानपुर
- जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरू
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू
- नेशनल केमिकल लैबोरेट्री, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फिर डरा रहा कोरोना, महाराष्ट्र में हुई सबसे ज्यादा मौतें, देश में 1045 हुए एक्टिव केस

नई दिल्ली।

देश में बढ़ते कोरोना के मामलों ने एक बार फिर डराना शुरु कर दिया है। लोगों के मन डर है कि कहीं लॉकडाउन की स्थिति न बन जाए। हालांकि फिलहाल ऐसी स्थिति नहीं है फिर भी जिस गति से कोरोना के केस आ रहे है वो डराते दिखाई दे रहे हैं। देश में कोरोना वायरस के मामलों की संख्या 1045 हो गई है। सबसे ज्यादा 430 एक्टिव केस केरल में हैं। महाराष्ट्र में 210, दिल्ली में 104 और गुजरात में 83 केस हैं। कर्नाटक के 80 केसों में से सिर्फ 73 बेंगलुरु में हैं। वहीं, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक में कुल 10 मरीजों की मौत हो चुकी है। इनमें से आठ की मौत एक हफ्ते के भीतर हुई है। कोरोना से सबसे ज्यादा पांच मौतें महाराष्ट्र में हुई हैं। ठाणे में सोमवार को एक महिला की मौत हुई।स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मुताबिक पिछले एक हफ्ते में 787 नए मरीज दर्ज किए गए हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के डायरेक्टर डॉ राजीव बहल ने बताया कि अभी तक देश में 4 वैरिएंट मिले हैं। इनमें एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और एनबी.1.8.1 वैरिएंट शामिल हैं।

इससे पहले 17 मई को कर्नाटक के बेंगलुरु में 84 साल के बुजुर्ग की मौत हुई थी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया था कि बुजुर्ग की मौत मल्टी ऑर्गन फेल्योर की वजह से हुई थी। 24 मई को उनकी कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। केरल में दो लोगों की कोविड से मौत हुई है। भारत में मिले कोविड-19 के 4 नए वैरिएंट भारत के कई राज्यों में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के बीच देश में चार नए वैरिएंट मिले हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने भी इन्हें चिंताजनक नहीं माना है। हालांकि, निगरानी में रखे गए वैरिएंट के रूप में कैटेगराइज किया है। टेस्टिंग में आधे से ज्यादा सैंपल में यह वैरिएंट मिलता है।

24 घंटे में कोरोना से 3 की मौत

24 घंटे में कोरोना से 3 मौतें जयपुर में सोमवार को कोरोना के दो मरीजों की मौत हो गई। इनमें से एक रेलवे स्टेशन पर मृत मिला था। उसकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। दूसरी मौत प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती 26 साल के युवक की हुई। उसे पहले से ही टीबी की बीमारी थी। वहीं, महाराष्ट्र के ठाणे में एक

कोरोना पॉजिटिव महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। ठाणे में ही 25 मई (रविवार) को अस्पताल में इलाज करा रहे 21 साल के युवक की मौत हो गई। उसका 22 मई से इलाज चल रहा था।

समीकरणों के बदलाव की आहटः राज्यसभा में बढ़ सकती हैं विपक्ष की सीटें

नई दिल्ली।

अगले माह 19 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव में तमिलनाडु की 6 सीटों के लिए मतदान होना है तो वहीं असम की दो सीटों के लिए भी वोटिंग होनी है। ये सीटों राज्यसभा सदस्यों के रिटायरमेंट के चलते खाली हो रही हैं। तमिलनाडु के 6 सदस्य जुलाई में रिटायर होंगे, जबकि असम के दो सदस्यों का जून महीने में कार्यकाल समाप्त हो रहा है। तमिलनाडु में जिन 6 सीटों पर इलेक्श होना है, उनमें से तीन पर अब तक डीएमके के सदस्य थे। इसके अलावा तीन सीटों पर पीएमके, एआईएडीएमके और एमडीएमके के मेंबर सांसद थे। इससे संभावना है कि विपक्ष की सीटें बढ़ सकती हैं। फिलहाल तमिलनाडु विधानसभा का जो समीकरण है, उसके हिसाब से डीएमके का नंबर तीन से 4 हो सकता है। इसके अलावा यदि कांग्रेस के साथ सहमति बनी तो फिर डीएमके एक सीट उसे भी दे सकती है। ऐसा होने पर भी विपक्षी गठबंधन के खाते में ही एक और सीट जाएगी। इसी तरह असम के आंकड़ों को देखते हुए भी विपक्ष के खाते में एक सीट का इजाफा हो सकता है। फिलहाल जो मेंबर रिटायर हो रहे हैं, वे भाजपा और असम गण परिषद के सदस्य हैं। लेकिन विधानसभा का जो समीकरण है, उस लिहाज से चुनाव की स्थिति में एक सीट भाजपा को मिलेगी तो वहीं एक अन्य सीट कांग्रेस या फिर उसके सहयोगी को मिल सकती है।इस तरह चुनाव के बाद राज्यसभा में विपक्ष की सीटें 91 हो सकती हैं, जो अभी 89 ही हैं। इसके अलावा एनडीए की सीटें जो फिलहाल 128 हैं, वे घटकर 126 ही रह सकती हैं। बता दें कि हरियाणा, दिल्ली और महाराष्ट्र जैसे कई राज्यों में चुनावी हार के बाद विपक्ष के लिए यह राहत भरी खबर होगी। दरअसल कई राज्यों के चुनावों में लगातार कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को मात झेलनी पड़ी है। झारखंड को इसमें अपवाद के तौर पर देखा जा सकता है, जहां झामुमो की लीडरशिप में विपक्षी गठबंधन की सरकार बनी है।

जगन्नाथ मंदिर से जुड़े श्री जगन्नाथ धाम, श्रीक्षेत्र जैसे कई शब्दों का होगा पेटेंट

भुवनेश्वर।

पश्चिम बंगाल के दीघा मंदिर को धाम नाम देने को लेकर चल रहे विवाद के मद्देनजर, श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंध समिति (एसजेटीएमसी) ने सोमवार को ओडिशा में 12वीं शताब्दी के मंदिर से जुड़े कुछ शब्दों और 'लोगो' का पेटेंट कराने का फैसला किया। जल्द ही महाप्रसाद (भोग), श्रीमंदिर (मंदिर), श्री जगन्नाथ धाम (स्थान), श्रीक्षेत्र (स्थान) और पुरुषोत्तम धाम (स्थान) जैसे शब्दों के पेटेंट के लिए आवेदन करेगा। इस संबंध में एक प्रस्ताव को एसजेटीएमसी द्वारा मंजूरी दे दी गई है। बैठक में, मुख्य सचिव मनोज आहूजा, श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीएमसी) के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाढी, पुरी जिलाधिकारी सिद्धार्थ शंकर स्वैन, पुरी के पुलिस अधीक्षक विनीत अग्रवाल और पदेन सदस्य शामिल हुए। एसजेटीए के मुख्य प्रशासक पाढी ने संवाददाताओं से कहा, एसजेटीए जल्द ही महाप्रसाद (भोग), श्रीमंदिर (मंदिर), श्री जगन्नाथ धाम (स्थान), श्रीक्षेत्र (स्थान) और पुरुषोत्तम धाम (स्थान) जैसे शब्दों के पेटेंट के लिए आवेदन करेगा। इस संबंध में एक प्रस्ताव को एसजेटीएमसी द्वारा मंजूरी दे दी गई है। पाढी ने कहा कि जगन्नाथ मंदिर से संबंधित विशिष्ट शब्दों और 'लोगो'का पेटेंट कराना पुरी मंदिर की सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक पहचान की रक्षा के लिए एक कानूनी उपाय के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा, इससे 12वीं शताब्दी की मूल आध्यात्मिक पहचान के दुरुपयोग और इसकी शब्दावली के अनधिकृत उपयोग को रोकने में मदद मिलेगी।जगन्नाथ धाम शब्द के कथित दुरुपयोग को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार के साथ चल रहे विवाद के बारे में पाढी ने कहा कि इस मामले का हल राज्य

सरकारों द्वारा किया जाएगा। देब ने कहा, पश्चिम बंगाल सरकार दीघा स्थित अपने मंदिर के लिए जगन्नाथ धाम शब्द का इस्तेमाल नहीं कर सकती। यह हिंदू धर्मग्रंथों और भगवान जगन्नाथ की सदियों पुरानी परंपरा के खिलाफ है। गजपति महाराज ने एक सवाल के जवाब में कहा कि इस मुद्दे का हल दो राज्य सरकारों के बीच सौहार्दपूर्ण तरीके से निकाला जाना चाहिए। तभी इसका सही समाधान हो सकेगा।

पहलगाम के आतंकी कहां गए? क्या गुजरात या दाहोद में छिपाया है?

शिवसेना सांसद राउत ने कहा- गृहमंत्री शाह को प्रायश्चित करना चाहिए

नई दिल्ली।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था।

सेना ने इस ऑपरेशन में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और सीमा पार के पंजाब प्रांत में नौ आतंकी ठिकानों को तबाहा कर दिया था।

इस ऑपरेशन को लेकर अब सियासत होने लगी है। केंद्र में एनडीए की अगुवाई कर रही बीजेपी इस ऑपरेशन की सफलता का जश्न मना रही है, देशभर में तिरंगा यात्रा निकाल रही है। वहीं, अब विपक्षी दल इस ऑपरेशन की सफलता पर सवाल उठा रहा है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने ऑपरेशन सिंदूर को विफलता बताते हुए कहा कि यह राष्ट्रहित से जुड़ा विषय है, इसलिए हम इस पर ज्यादा बात नहीं करना चाहते।

उन्होंने कहा कि पहलगाम में हमारे 26 बेगुनाह लोग मारे गए। ऑपरेशन सिंदूर करने की जरूरत पड़ी क्योंकि पहलगाम हमले में हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा गया था। शिवसेना सांसद राउत ने कहा कि अमित शाह को इसका प्रायश्चित करना चाहिए और पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। राउत ने सरकार से सवाल किया कि पहलगाम में हमला करने वाले आतंकी कहां गए? क्या गुजरात या दाहोद में उन आतंकियों को छिपाया है?

राउत के बाद यूपी की सहारनपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस के सांसद इमरान मसूद ने भी इसी मुद्दे पर सरकार को घेरा है। इमरान मसूद ने सवालिया लहजे में कहा कि पहलगाम के आतंकी कहां गए? उनको आसमान खा गया या जमीन निगल गई? उन्होंने कहा कि सरकार को जवाब देना होगा कि पहलगाम के आतंकी कहां गए। मसूद ने कहा कि सेना ने गोले तो दाग दिए थे।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में तिरंगा फहराना था, लेकिन सेना को पीएम मोदी ने रोक दिया। बता दें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी ऑपरेशन सिंदूर को छिटपुट युद्ध बताया था। भारत और पाकिस्तान के बीच करीब चार दिन तक चले युद्ध जैसे हालात के बाद दोनों देशों के डीजीएमओ में बात हुई।

अब भारत नहीं आ पाएंगे पाकिस्तान के लोग, अफगानिस्तान की शुरु होगी आवाजाही

नई दिल्ली।

भारत सरकार ने न्यू अफगान वीजा मॉड्यूल के तहत जो सेवा शुरू की है, उसके अनुसार ऐसे लोगों को ही वीजा मिलेगा, जिन्हें किसी तरह का इलाज कराना हो या फिर मरीज की तीमारदारी करनी हो।

वहीं छात्रों, कारोबारियों, मेडिकल अटेंडेंट, यूएन डिप्लोमैट वीजा पर आने वाले लोगों को भी एंट्री दी जाएगी। इन वीजा के आवेदनों पर हर मामले को लेकर अलग-अलग फैसला लिया जाएगा। वहीं पहलगाम आतंकी हमले के बाद से पाकिस्तान के लोगों की एंट्री पर भारत सरकार ने बैन लगा रखा है।

वीजा सेवाएं ठप कर दी गई हैं। इस बीच तालिबान से भारत के रिश्तों में सुधार को देखते हुए अफगानिस्तान के लोगों के लिए वीजा सेवाओं को शुरू किया गया है।

बीते माह विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अफगानिस्तान के अपने समकक्ष आमिर खान मुत्ताकी से बात की थी। वहीं तालिबान शासन ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की थी और कहा था कि इस लड़ाई में हम भारत के साथ हैं। दरअसल भारत और अफगानिस्तान के बीच चाबहार पोर्ट को लेकर भी साझेदारी है।

वहीं इंटरनेशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर को लेकर भी दोनों देश मिलकर काम कर रहे हैं। यह कॉरिडोर भारत से लेकर ईरान, रूस होते हुए यूरोप को जोड़ने वाला है। इस तरह दो अहम प्रोजेक्ट्स में दोनों देश साथ हैं और पाकिस्तान के साथ दोनों के ही संबंध सहज नहीं हैं।

अफगानिस्तान के लोगों को वीजा आवेदन करने के लिए मौके की एक तस्वीर, पासपोर्ट की डिटेल्स और एक अन्य आईडी कार्ड पोर्टल पर सबमिट करना होगा।

यह फैसला महत्वपूर्ण है क्योंकि बीते कुछ महीनों में तालिबान के साथ भारत के रिश्ते सामान्य हुए हैं। तालिबान ने भारत को भरोसा दिया है कि उसकी जमीन से आतंकी गतिविधियों को संचालित नहीं होने दिया जाएगा। वहीं पाकिस्तान से उसके रिश्ते खैबर पख्तूनख्वा में सक्रिय आतंकियों और डूरंड लाइन को लेकर सहज नहीं हैं। ऐसी स्थिति में भारत के साथ संबंध सुधार के अपने मायने हैं। भारत ने अफगानियों के लिए वीजा सेवा शुरू करके इसका संदेश भी दिया है।

जासूसी के आरोप में गिरफ्तार सीआरपीएफ जवान ने सैन्य ठिकानों के लोकेशन भेजे

नई दिल्ली।

जासूसी के आरोप में पकड़ा गया सीआरपीएफ का जवान हमले से ठीक पहले तक पहलगाम में ही तैनात था। 22 अप्रैल को हुए हमले से 6 दिन पहले ही उसका ट्रांसफर हुआ था। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। आरोपी असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर मोती राम जाट को सोमवार को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया।मोतीराम पहलगाम में सीआरपीएफ की 116वीं बटालियन में तैनात था। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के मुताबिक आरोपी पाकिस्तान के खुफिया अधिकारियों को गोपनीय सूचनाएं दे रहा था। वह 2023 से ही पैसों के बदले देश के साथ गद्दारी कर रहा था। उसने पाकिस्तान को भारतीय सुरक्षा बलों की ऑपरेशनल जानकारी, मूवमेंट के तरीके और अहम सैन्य ठिकानों का लोकेशन भेज चुका था।

गिरफ्तारी के बाद जवान को बर्खास्त कर दिया गया है।

एनआईए के अधिकारी जासूसी के आरोपी जवान से पूछताछ में जुटे हैं। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वह क्या-क्या गोपनीय जानकारी पाकिस्तान को दे चुका था और पाकिस्तान में किन-किन लोगों से संपर्क में था। वह कैसे पाकिस्तान का मोहरा बना यह भी पता लगाया जा रहा है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले में पाकिस्तानी आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों को धर्म पूछकर मार डाला था। मृतकों में अधिकतर हिंदू थे। सीआरपीएफ के एक बयान के अनुसार जाट

केंद्रीय एजेंसियों की रडार पर अपनी सोशल मीडिया एक्टिविटी की वजह से आया। सीआरपीएफ की ओर से बताया गया कि जाट को आगे की जांच के लिए एनआईए के हवाले कर दिया गया है। बयान में कहा गया है, इसके साथ ही, सीआरपीएफ नियमों के साथ संविधान के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत इस व्यक्ति को 21 मई से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।आरोपी को दिल्ली की एक विशेष अदालत में पेश किया गया।

भारत करांची बंदरगाह पर हमले के लिए था तैयार, अमेरिका के आगे गिड़गिड़ाया पाक

भारतीय वायुसेना ने कई एयरबेस को कर दिया था तबाह

नई दिल्ली।

मई की रात भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की आहट विश्व मंच तक पहुंच गई। सूत्रों के मुताबिक भारत के ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन बनयान अल-मरसूस' नामक सैन्य कार्रवाई की शुरुआत की, लेकिन यह महज आठ घंटे में ही धराशायी हो गई। जवाबी कार्रवाई में भारत की वायुसेना ने पाकिस्तान के कई अहम सैन्य ठिकानों को तबाही कर दिया। रातोंरात भारतीय राफेल विमानों से मिसाइलें और एसयू-30 एमकेआई विमानों से ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलें दागी गईं। हमलों में चकलाल में नूर खान एयरबेस, जैकोबाबाद और भोलारी एयरबेस को भारी नुकसान पहुंचा। नूर खान एयरबेस, पाकिस्तान की उत्तरी एयर कमांड के कमांड-कंट्रोल नेटवर्क का हिस्सा था और पहले ही हमले में ध्वस्त हो गया।

मीडिया रिपोर्ट में वायुसेना के पास मौजूद सबूतों के मुताबिक इन हमलों में पाकिस्तान के एक सी-130जे ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट, एक जेएफ-17, और दो एफ-16 फाइटर जेट्स को मार गिराया गया। भारतीय एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम, जो आदमपुर एयरबेस पर तैनात था, उसने इस ऑपरेशन में 11 बार दुश्मन के विमानों को रोका। इसने 315 किमी दूर पाकिस्तान की सीमा में उड़ रहे साब-2000 एयरबोर्न अर्ली वार्निंग सिस्टम को भी निशाना बनाकर गिरा दिया। 10 मई को भारत ने लाहौर में तैनात चीनी एलवॉय-80 एयर डिफेंस सिस्टम को हारपेज कामिकेज़ ड्रोन से तबाह कर दिया। इसके अलावा करांची के मलीर इलाके में तैनात एयक्यू-9 को भी भारत की मिसाइल ने नष्ट कर दिया। पाकिस्तान ने 10 मई को अपने ऑपरेशन की शुरुआत की थी और दावा किया था कि वह 48 घंटे में भारत के एयरबेस तबाह कर देगा, लेकिन भारतीय सेना के सटीक और तीव्र प्रहार से पाकिस्तान की योजना पस्त पढ़ गई। स्थिति जब हाथ से निकलने लगी तो पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारत से सीजफायर की अपील की। सूत्रों के मुताबिक भारतीय नौसेना करांची बंदरगाह पर हमले के लिए तैयार थी और उसका बेड़ा मकरान तट से महज 260 मील दूर था। पाकिस्तान ने चेतावनी दी, लेकिन भारत पीछे नहीं हटा। दोपहर तक पाकिस्तान ने युद्धविराम की आधिकारिक गुहार लगाई।

आरबीआई ने सरकार को 2.69 लाख करोड़ का दिया रिकॉर्ड डिविडेंड

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सरकार को रिकॉर्ड 2.69 लाख करोड़ रुपये का डिविडेंड देने की घोषणा की। भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की 616वीं बैठक में डिविडेंड भुगतान पर निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता गवर्नर संजय मल्होत्रा ने की। अमेरिकी डॉलर की बिक्री और प्रतिभूतियों से हुई ब्याज आय की वजह से भारतीय रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को रिकॉर्ड 2.7 लाख करोड़ रुपये का वार्षिक डिविडेंड देने की घोषणा की है।

विश्लेषकों ने कहा कि इससे सरकार को अमेरिकी टैरिफ और पाकिस्तान के साथ संघर्ष के कारण रक्षा पर खर्च में वृद्धि से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। ईवाई इंडिया के मुख्य नीति सलाहकार डी के श्रीवास्तव ने कहा कि कोविड महामारी के बाद के वर्षों से आरबीआई सरकार को अधिक से अधिक

अधिशेष हस्तांतरण कर रहा है। उन्होंने कहा कि आरबीआई ने 2024-25 के लिए आकस्मिक जोखिम बफर को सालाना आधार पर 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.5 प्रतिशत कर दिया है। इसके बावजूद इस बार अधिशेष हस्तांतरण बढ़ा है। रिपोर्ट में कहा है कि पिछले साल की तुलना में केंद्रीय बैंक ने अधिक डिविडेंड दिया है। हालांकि, यह बाजार उम्मीदों से कम है। बाजार आरबीआई से सरकार को तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के डिविडेंड की उम्मीद कर रहा था।

संक्षिप्त समाचार

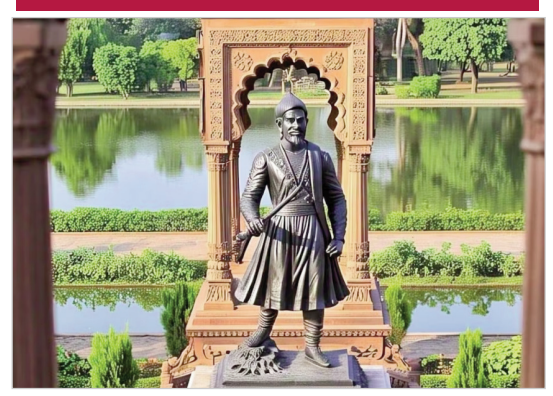

आगरा में छत्रपति शिवाजी का स्मारक यूपी और महाराष्ट्र सरकार मिलकर बनाएंगे

आगरा।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि कोठी मीना बाजार में छत्रपति शिवाजी का स्मारक यूपी और महाराष्ट्र सरकार मिलकर बनाएंगे। यूपी सरकार भूमि खरीदेगी और महाराष्ट्र सरकार स्मारक का निर्माण कराएगी। भूमि विवाद कोर्ट में विचाराधीन होने के सवाल पर पर्यटन मंत्री ने कहा कि सरकार कोर्ट में पैसा जमा कराएगी। ट्रस्ट या व्यक्ति जिसके पक्ष में फैसला होगा, वह पैसा उठा लेगा। पर्यटन मंत्री विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा करने यहां आए थे। शिल्पग्राम के समीप छत्रपति शिवाजी म्यूज़ियम का काम शुरू नहीं होने पर उन्होंने कहा कि 31 मई से काम शुरू हो जाएगा। प्री-कॉस्ट तकनीकी से काम होने से प्रोजेक्ट को समय पर पूरा कर लिया जाएगा। मंत्री ने आगरा व मथुरा के गोवर्धन में हेलीकॉप्टर की उड़ान शुरू नहीं होने पर कहा कि कम्पनी को नोटिस जारी किया गया है। कुछ कारणों से उड़ान शुरू नहीं हो सकी थी। शीघ्र ही दोनों शहरों में उड़ान शुरू की जाएंगी।

तुर्की की कंपनी को हाईकोर्ट से स्टे

मुंबई।

भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर में तुर्की ने पाकिस्तान के पक्ष में सैनिक कार्रवाई में भाग लिया। भारतीय सेना को काफी नुकसान पहुंचा था। उसके बाद भारत सरकार और कंपनियों ने तुर्की से अपने कारोबारी संबंध खत्म करने का निर्णय लिया था। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड में हैंडलिंग और सर्विस देने का काम तुर्की की फर्म मायल कर रही थी। इसका अनुबंध सेलेबी द्वारा खत्म किया गया। इस आदेश के खिलाफ तुर्की की कंपनी मायल को बॉम्बे हाईकोर्ट का स्टे मिल गया है। अदालत ने कहा है कि जब तक याचिका में कोई अंतिम फैसला नहीं होता है। तब तक कोई नए टेंडर जारी नहीं किए जाएं। जब तक अदालत में मामला लंबित रहेगा तब तक तुर्की की कंपनी मायल काम करती रहेगी।

डीआईजी के आदेश पर मशरख के इंस्पेक्टर अशोक कुमार निलंबित

छपरा।

सारण पुलिस ने मशरख अंचल के इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई एक शख्स की शिकायत पर की गई। इंस्पेक्टर अशोक पर कर्तव्य में लापरवाही बरतने और अनुसंधान को प्रभावित करने का अरोप था। सारण के एसएसपी ने बताया कि इंस्पेक्टर अशोक सिंह को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है। शिकायतकर्ता कृष्णा सिंह ने आरोप लगाया था कि इंस्पेक्टर अशोक कुमार ने मामले की जांच को गलत तरीके से प्रभावित किया। शिकायत के बाद मढ़ौरा-2 के एसडीपीओ को जांच सौंपी गई। जांच में पाया कि अशोक कुमार सिंह ने पद का दुरुपयोग कर मनमानी पर्यवेक्षण टिप्पणी दी थी। ग्रामीण एसपी शिखर चौधरी ने यह रिपोर्ट वरीय पुलिस अधीक्षक को सौंपी। डीआईजी सारण क्षेत्र छपरा ने एसएसपी की अनुशंसा पर अशोक सिंह को निलंबित कर दिया गया है। उन्हें सामान्य जीवन यापन भत्ते पर रखा गया है। उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने कहा है कि पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी। अनुशासनहीनता या पद का दुरुपयोग करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया जाएगा।

हैदराबाद में डुप्लीकेट और फेक गैजेट असेसरीज बेचने वाले गिरफ्तार

हैदराबाद। हैदराबाद में एक गैंग भंडाफोड़ हुआ है जिसने डुप्लीकेट और फेक गैजेट असेसरीज बेचने का धंधा चलाया था। हैदराबाद कमिशनर की टास्क फोर्स ने इस गैंग को गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार किए गए लोगों के पास 1 करोड़ रुपये की कीमत वाला सामान बरामद हुआ है। उनकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने कई फर्जी गैजेट और डुप्लीकेट मोबाइल बरामद किया है। गिरफ्तार होने वाले गैंग को माना गया है कि वे लोगों को ओरिजनल प्रोडक्ट बताकर फेक आइटम बेच रहे थे, जिसमें सस्ते फोन और डुप्लीकेट असेसरीज शामिल थे। साथ ही, गैंग सस्ते प्रोडक्ट पर एप्पल ब्रांडिंग का इस्तेमाल कर रहा था, जो कॉपीराइट का उल्लंघन है। पुलिस ने इसके साथ इमेजी नंबर चेक करने की सलाह दी है और प्रोडक्ट की बिल्ड विश्लेषण के माध्यम से भी उसकी पहचान की जा सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

साउथ कैरोलिना में गोलीबारी, 11 घायल

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के साउथ कैरोलिना के लिटिल रिवर इलाके में गोलीबारी की घटना हुई, जिसमें 11 लोगों के घायल होने की खबर है। घायलों की स्थिति कैसी है, इसके बारे में पुलिस ने कोई जानकारी नहीं दी है। गोलीबारी कैसे और क्यों हुई और किसने की, इसके बारे में भी कोई जानकारी नहीं दी गई है। पुलिस घटना की जांच में जुड़ी है।

पोलैंड में राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे चरण से पहले सड़क पर उतरे आक्रोशित

वारसॉ, एजेंसी। यूरोपीय देश पोलैंड में राजनीतिक अस्थिरता का माहौल है। राजधानी वारसॉ में हजारों पोलिश लोगों ने देशभक्ति से ओतप्रोत जुलूस में हिस्सा लिया। एक जून को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले हुई इस रैली में हजारों लोग शामिल हुए। लगभग 38 मिलियन की आबादी वाले पोलैंड में देश के भविष्य को लेकर मंथन हो रहा है। वारसॉ के यूरोपीय संघ समर्थक मेयर 53 वर्षीय राफाल ट्रजाकोव्स्की ने रैली का नेतृत्व किया। वे प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के करीबी राजनीतिक सहयोगी हैं।

अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बैठक के लिए मॉस्को जाएंगे डोभाल

मॉस्को, एजेंसी। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल के अगले सप्ताह की शुरुआत में रूस की सुरक्षा परिषद द्वारा आयोजित एक प्रमुख सुरक्षा बैठक में भाग लेने के लिए जाएंगे। डोभाल को रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु की अध्यक्षता में 27-29 मई को सुरक्षा मुद्दों के लिए उच्च प्रतिनिधियों की 13वीं अंतरराष्ट्रीय बैठक के लिए आमंत्रित किया गया है। रूसी सुरक्षा परिषद के अनुसार फोरम में भाग लेने के लिए मोरिक यूनियन (ईएईयू), शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ), सीआईएस, सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन (सीएसटीओ), ग्लोबल साउथ और ईस्ट के 150 से अधिक देशों और यूरेशियन इकोनॉमी के साथ-साथ 20 से अधिक अंतरराष्ट्रीय संगठनों के नेतृत्व को निमंत्रण भेजे गए हैं। भारत की तरह, पाकिस्तान भी एससीओ का सदस्य है, और उसके एनएसए लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक के भी बैठक के लिए मॉस्को में मौजूद रहने की उम्मीद है।

ऑस्ट्रेलिया में बाढ़ से अब तक 5 की मौत, हजारों लोग फंसे

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य में पिछले सप्ताह से जारी भीषण बारिश के कारण आई बाढ़ से अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है। बाढ़ की वजह से हजारों लोग घरों में कैद हो गए हैं। कई इलाकों का संपर्क पूरी तरह टूट गया है, लोग अपने घरों में फंसे हैं और बहुत सी सड़कें, पुल और खेत तबाह हो गए हैं। राज्य के उत्तरी तटीय हिस्सों में बाढ़ का असर सबसे ज्यादा पड़ा है। कई घरों में पानी भर गया, खेतों में खड़ी फसलें बह गईं और पशुओं की जान भी गई। जान बचाने के लिए कई लोगों को हेलीकॉप्टर और नावों की मदद से निकाला गया। कुछ इलाकों में तो कारें पूरी तरह पानी में डूब गईं। राज्य की आपातकालीन सेवा ने बताया कि करीब 32,000 लोग अब भी ऐसे इलाकों में हैं जहां जाने का रास्ता बंद है। हालांकि, धीरे-धीरे पानी उतरने लगा है। बाढ़ की वजह से 10,000 से ज्यादा घर और संपत्तियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

बलूचिस्तान में पत्रकार की हत्या, अपहरण का विरोध करने पर मारे गए अब्दुल लतीफ

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में बंदूकधारियों ने शनिवार को अपहरण का विरोध करने पर बलोच पत्रकार अब्दुल लतीफ बलोच की गोली मारकर हत्या कर दी। लतीफ क्वेटा स्थित एक समाचार पत्र के लिए काम करते थे। कुछ महीने पहले लतीफ के बड़े बेटे का भी अपहरण कर लिया गया था। बाद में उसका शव बरामद हुआ था। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) दानियाल काकर ने बताया, बंदूकधारी लतीफ के अवारन जिले के मश्कय स्थित उनके घर में घुसकर उन्हें अगवा करने का प्रयास कर रहे थे। जब उन्होंने विरोध किया तो बंदूकधारियों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद हमलावर फरार हो गए। पाकिस्तान फेडरल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (पीएफयूजे) समेत कई पत्रकार संगठनों ने डेली इंतिखाब अखबार से जुड़े पत्रकार लतीफ की हत्या की निंदा की है।

ट्रम्प बोले- पुतिन पूरी तरह पागल हो गए:यूक्रेन पर हवाई हमले के बाद कहा- मैं उनसे खुश नहीं, बेवजह लोगों की जान ले रहे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि पुतिन पूरी तरह पागल हो गए हैं। ट्रम्प ने यह बयान अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर दिया।

उन्होंने लिखा- मैंने हमेशा रूस के व्लादिमीर पुतिन के साथ बहुत अच्छे संबंध रखे हैं, लेकिन उनके साथ कुछ तो हुआ है। वो पूरी तरह पागल हो गए हैं। ट्रम्प ने सोमवार को कहा कि वे यूक्रेन में हवाई हमलों के चलते पुतिन से खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता पुतिन को क्या हो गया है। हम रूस पर और प्रतिबंध लगाएंगे। पुतिन बहुत लोगों को मार रहे हैं। ट्रम्प का यह बयान यूक्रेन पर 3 साल में रूस के सबसे बड़े हवाई हमले के बाद आया है। यूक्रेनी एयरफोर्स के मुताबिक, शनिवार रात रूस ने कीव पर 9 बैलिस्टिक मिसाइलों, 60 क्रूज मिसाइलों और 298 ड्रोन से हमला किया था।

रूस का आरोप- यूक्रेन पुतिन की हत्या करना चाहता था

रूस ने दावा किया है कि यूक्रेन ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का हेलिकॉप्टर गिराने की कोशिश की। रूसी वायु सेना के मेजर जनरल यूरी डैशकिन के मुताबिक पुतिन 20 मई को कुर्स्क के दौरे पर गए थे। डैशकिन ने बताया कि इस दौरान यूक्रेनी एयरफोर्स ने पुतिन के हेलिकॉप्टर पर 46 ड्रोन से हमला किया लेकिन हमने सभी ड्रोन मार गिराया। डैशकिन ने कहा- हमने एक साथ कई ड्रोन का मुकाबला किया और राष्ट्रपति के हेलिकॉप्टर की सुरक्षा सुनिश्चित की।

यूक्रेन के कब्जे के बाद पहली बार कुर्स्क गए थे पुतिन

कुर्स्क वही जगह है जहां पिछले साल अगस्त में यूक्रेन की सेना ने अचानक हमला किया था और 1100 वर्ग किमी इलाके पर कब्जा कर लिया था। यह हमला इसलिए बहुत खास था, क्योंकि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार किसी विदेशी सेना ने रूस की जमीन पर हमला किया था। पुतिन ने इस इलाके का दौरा करते हुए कहा था कि अब इस जमीन पर फिर से रूस का कब्जा हो गया है। उन्होंने यहां पर बारूदी सुरंगें हटाने के लिए और सैनिक भेजने का आदेश भी दिया था, ताकि लोग अपने घर वापस लौट सकें।

हालांकि, यूक्रेन का कहना है कि उसकी सेना अब भी उस इलाके में डटी हुई है और लड़ाई जारी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि उनकी सेना कुर्स्क और बेलगोरोड जैसे इलाकों में रूस के खिलाफ अभियान चला रही है।

रूस-यूक्रेन के बीच 614 कैदियों की अदला-बदली

रूस और यूक्रेन ने 24 मई को एक-दूसरे के 307-307 कैदियों की अदला-बदली की। यह तीन साल से जारी जंग में सबसे बड़ी कैदी अदला-बदली का हिस्सा है।

शनिवार को हुए अदला-बदली की जानकारी रूस के रक्षा मंत्रालय और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर दी। जेलेंस्की ने लिखा- कल और रिहाई होने की उम्मीद है, हमारा लक्ष्य हर एक यूक्रेनी को रूस के कैद से वापस लाना है। इससे पहले 23 मई को दोनों देशों ने 390-390 कैदियों को रिहा किया था। तीन दिनों में दोनों पक्षों से 1-1 हजार कैदियों को रिहा किया जाना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि यह अदला-बदली मॉस्को और कीव के बीच शांति समझौते की कोशिशों में नया चरण शुरू कर सकती है।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अगले दो दिनों में हो सकता है बड़ा एलान, राष्ट्रपति ट्रंप ने दिए संकेत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ उसकी बातचीत में तेजी आई है और अगले दो दिनों में इसे लेकर कोई बड़ा एलान किया जा सकता है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की मध्यस्थता ओमान द्वारा की जा रही है। राष्ट्रपति ट्रंप जहां अगले दो दिनों में बातचीत को लेकर अहम एलान करने की बात कर रहे हैं, वहीं मध्यस्थता कर रहे लोगों ने शुक्रवार को अपने बयान में कहा था कि दोनों देशों के बीच बातचीत हुई है, लेकिन अभी तक कोई निष्कर्ष नहीं निकला है। दोनों देशों के बीच रोम में पांचवें दौर की बातचीत हुई।

न्यू जर्सी में मीडिया से क्या बोले ट्रंप : डोनाल्ड ट्रंप ने न्यू जर्सी में मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमारी ईरान के साथ कुछ अच्छी बातचीत हुई है और मुझे नहीं पता कि अगले दो दिनों में आपको अच्छी खबर दूंगा या बुरी, लेकिन मुझे लग रहा है कि ये अच्छी होगी। ट्रंप ने कहा कि हमारी बातचीत में अच्छी खासी प्रगति हुई है, देखते हैं कि आगे क्या होता है, लेकिन मुझे ऐसा लग रहा है कि ईरान के मोर्चे पर अच्छी खबर आने वाली है। अमेरिका और ईरान के बीच पांचवें दौर की बातचीत रोम में ओमानी दूतावास में हुई। जिसमें अमेरिका का प्रतिनिधित्व स्टीव विटकॉफ और माइकल एंटोन ने किया। माइकल एंटोन अमेरिकी विदेशी विभाग के नीति योजना निदेशक हैं।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने की कोशिश : अमेरिका और ईरान के बीच यूरेनियम संवर्धन पर बातचीत हो रही है और साथ ही इस बात पर भी चर्चा हो रही है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को कैसे सीमित किया जाए, जिसके बदले में अमेरिका ईरान पर लगाए गए कुछ आर्थिक प्रतिबंधों को कम करने पर विचार करेगा।

इजराइल का गाजा के स्कूल पर हमला, 25 की मौत:शरणार्थी कैंप बनाया गया था

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल ने रविवार देर रात गाजा में कई जगहों पर हमले किए। इन हमलों में एक स्कूल को भी निशाना बनाया, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई है। स्कूल में आग लगने से लोग जिंदा जल गए। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक यह एक किंडरगार्टन स्कूल था, जिसे शरणार्थी शिविर को तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा था। मरने वालों में रेड क्रॉस के दो कार्यकर्ता, एक पत्रकार और कई बच्चे शामिल हैं। इनमें गाजा का सबसे कम उम्र का इन्फ्लुएंसर याकीन हम्माद (11 वर्ष) भी मारा गया है। दूसरी तरफ स्पेन ने दुनिया भर के देशों से इजराइल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

तीन दिन पहले एक डॉक्टर के 9 बच्चे मारे गए : गाजा पर 23 मई को हुए इजराइली हमले में खान यूनिस की एक महिला डॉक्टर अल-नज्जर के 9 बच्चों की मौत हो गई, जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से घायल है। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक मृत बच्चों की उम्र 7 महीने से 12 साल तक थी। डॉक्टर के पति को भी इस हमले में गंभीर चोटें आई है। इजराइली सेना के मुताबिक गाजा में बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया गया। इसके तहत 14 से 20 मई तक 670 से ज्यादा हमास ठिकानों पर हमला किया। जिसमें गाजा के लगभग 512 लोग मारे गए थे।

इजराइल का गाजा के 77 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा : इजराइल ने गाजा पट्टी के 77प्रतिशत हिस्से पर कंट्रोल हासिल कर लिया है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक

यह दावा गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस ने रविवार को किया। उन्होंने इजराइल पर नरसंहार के आरोप लगाते हुए संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। बयान में कहा गया है कि इजराइली सेना ने बफर जोन, सुरक्षा कॉरिडोर और भारी गोलीबारी के जरिए गाजा के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों को अपने कब्जे में लिया है।

नेत्जारिम कॉरिडोर पर इजराइल का कंट्रोल : मीडिया ऑफिस ने कहा कि इजराइल ने नेत्जारिम कॉरिडोर के जरिए गाजा को दो हिस्सों में बांट दिया है, जिससे फलस्तीनी नागरिकों की आवाजाही लगभग नामुमकिन हो गई है। कार्यालय का कहना है कि इजराइल ने राफा और गाजा सिटी जैसे घनी आबादी वाले इलाकों को 'नो-गो जोन' घोषित कर दिया है, जिससे लाखों लोग विस्थापित हो गए हैं।

नेत्जारिम कॉरिडोर गाजा को दो भागों में बांटता है। इस साल की शुरुआत में इजराइल-हमास के बीच जब सीजफायर को लेकर डील हुई थी तब इजराइल ने नेत्जारिम कॉरिडोर छोड़ दिया था। लेकिन कुछ ही समय बाद इजराइल ने जंग फिर से शुरू कर दी और फिर से इस कॉरिडोर को अपने कब्जे में ले लिया।

गाजा के मीडिया कार्यालय ने इजराइल पर आरोप लगाया कि वह गाजा पट्टी से फलस्तीनी आबादी से खाली करने की साजिश रच रहा है। ऑफिस ने कहा कि इजराइली सेना जबरन बेदखली, बमबारी और सहायता रोककर गाजा को तबाह कर रही है। यह नरसंहार और नस्लीय सफाई है। कार्यालय ने दावा किया कि गाजा का 70प्रतिशत से ज्यादा नागरिक बुनियादी ढांचा नष्ट हो चुका है, और 19 लाख लोग (85प्रतिशत आबादी) अपने घरों से बेघर हो गए हैं। इजराइली अधिकारियों ने इन आरोपों को खारिज किया। गाजा में अपनी कार्रवाइयों को हमास के खिलाफ 'टारगेट ऑपरेशन' करार दिया।

टेक्सास में अमेरिकी वीजा धोखाधड़ी रैकेट के सिलसिले में दो पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार

टेक्सास, एजेंसी। टेक्सास के उत्तरी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी लीहा सिमोंटन ने एक आधिकारिक बयान में बताया, ''यह केवल पैसे के लिए नहीं था। इन प्रतिवादियों पर आरोप है कि उन्होंने आव्रजन के लिए एक संपूर्ण आपराधिक उद्यम तैयार किया है।'' अमेरिका के टेक्सास में रहने वाले दो पाकिस्तानी नागरिकों को कई सालों से बड़े पैमाने पर वीजा धोखाधड़ी और धनशोधन का कथित सरगना होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

दोनों पर आरोप है कि उन्होंने वीजा धोखाधड़ी कर कई विदेशी नागरिकों को अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश कराने और यहां रहने में मदद की। टेक्सास के उत्तरी जिले में एक संघीय ग्रैंड जूरी ने अब्दुल हादी मुर्शिद (39) और मुहम्मद सलमान नासिर (35) के खिलाफ 23 मई को आरोप लगाया गया। आरोपों में अमेरिका को धोखा देने की साजिश, वीजा धोखाधड़ी, धनशोधन की साजिश शामिल है। मुर्शिद पर अमेरिकी नागरिकता हासिल करने के लिए गैर कानूनी तरीके को अपनाने के आरोप भी लगाए गए हैं।

टेक्सास के उत्तरी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी लीहा सिमोंटन ने एक आधिकारिक बयान में बताया, ''यह केवल पैसे के लिए नहीं था। इन प्रतिवादियों पर आरोप है कि उन्होंने आव्रजन के लिए एक संपूर्ण आपराधिक उद्यम तैयार किया है।'' अभियोग के अनुसार, मुर्शिद और नासिर ने फर्जी नौकरी के आधार पर आवेदन कर अमेरिकी वीजा योजनाओं का लाभ उठाया। दोषी पाये जाने पर आरोपियों को 20 वर्ष तक की जेल हो सकती है, साथ ही मुर्शिद की अमेरिकी नागरिकता भी छीनी जा सकती है।

पोप लियो 14वें ने खुद को रोमन घोषित किया

रोम , एजेंसी। पोप लियो 14वें ने रविवार को खुद को रोमन घोषित किया। उन्होंने रोम के बिशप के तौर पर अपनी भूमिका को पुख्ता करने के लिए सभी अनिवार्यताएं पूरी कर ली हैं। उन्होंने अंतिम औपचारिक कदम भी उठा लिए हैं। पहले अमेरिकी पोप ने औपचारिक रूप से सेंट जॉन लेटरन बेसिलिका में अपना स्थान ग्रहण किया। यह रोम का गिरजाघर है। इसे सभी पश्चिमी चर्चों में सबसे प्रतिष्ठित माना जाता है। इसे सभी कैथोलिक चर्चों की जननी भी कहा जाता है।

सेंट जॉन लेटरन बेसिलिका में रोमन पुजारियों और श्रद्धालुओं ने शाम को प्रार्थना की। इसके बाद पोप लियो ने पोपमोबाइल से सेंट मैरी मेजर का दौरा किया, जहां उन्होंने पोप फ्रांसिस की कब्र और रोमन श्रद्धालुओं की प्रिय वर्जिन मैरी की मूर्ति के सामने प्रार्थना की। इसके बाद पोप लियो ने कहा कि वह उन्हें सुनना चाहते थे, ताकि वे सीख सकें, समझ सकें और निर्णय ले सकें।

8 मई को चुने जाने पर पोप लियो ने जो कई उपाधियां ग्रहण कीं, उनमें से एक रोम

का बिशप था। 1.4 बिलियन की संख्या वाले सार्वभौमिक कैथोलिक चर्च को चलाने की अपनी जिम्मेदारियों को देखते हुए रोमन के सूबा के संचालन के दैनिक शासन को पोप एक पादरी को सौंपते हैं। सेंट जॉन लेटरन में रविवार के समारोह और सेंट मैरी मेजर बेसिलिका का पड़ाव पिछले सप्ताह लियो की सेंट पॉल आउटसाइड द वॉल्स बेसिलिका की यात्रा के बाद हुआ।

रोम के मेयर रॉबर्टो गुआल्टिएरी ने सिटी हॉल की सीढ़ियों पर सबसे पहले लियो का स्वागत किया। उनका 8 मई का चुनाव पवित्र वर्ष के दौरान हुआ था, जो रोम में तीर्थयात्रियों को आमंत्रित करने के लिए हर 25 साल में होने वाला एक आयोजन है। शहर में दो साल तक यातायात समेत कई परियोजनाओं पर काम किया गया। उम्मीद है कि 2025 में 30 मिलियन से ज्यादा लोग आएंगे। लियो ने कहा कि उन्हें पवित्र वर्ष और उसके बाद सभी रोमनों की सेवा करने की गंभीर लेकिन भावुक जिम्मेदारी मिली है। औपचारिक लाल पोपल कैप और ब्रोकेड स्टोल पहने हुए लियो ने अपने चुनाव की रात सेंट पीटर बेसिलिका के लॉजिया से कहे गए शब्दों को याद किया। ऑगस्टिनियन पोप ने सेंट ऑगस्टीन का जिक्र करते हुए कहा, मैं आपके साथ ईसाई हूं और आपके लिए बिशप हूं। आज मैं कह सकता हूं कि आपके लिए और आपके साथ मैं रोमन हूं! पहले रॉबर्ट प्रीवोस्ट ने पोप फ्रांसिस का स्थान लिया है, जो पहले लैटिन अमेरिकी पोप थे। फ्रांसिस का निधन 21 अप्रैल को हुआ था। उन्हें सेंट मैरी मेजर में दफनाया गया। यह डोना के आइकन के पास है, जिसे सैलस पॉपुली रोमानी के नाम से जाना जाता है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज तुर्किये राष्ट्रपति से मिले : भारत के खिलाफ साथ देने के लिए शुक्रिया भी कहा

इस्तांबुल, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार देर रात इस्तांबुल में तुर्किये के राष्ट्रपति रेचप तैयप एर्दोगन से मुलाकात की। इस दौरान शहबाज ने भारत के खिलाफ समर्थन देने के लिए तुर्किये का शुक्रिया अदा किया। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर बातचीत हुई।

राष्ट्रपति एर्दोगन ने कहा, तुर्किये और पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ते रहेंगे। दोनों देश एक-दूसरे को ट्रेनिंग, खुफिया जानकारी और टेक्नोलॉजिकल सपोर्ट देंगे। इससे दोनों का फायदा होगा। तुर्किये-पाकिस्तान के बीच व्यापार को 5 अरब डॉलर तक पहुंचाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। एनर्जी, ट्रांसपोर्ट और डिफेंस सेक्टरों में सहयोग को बढ़ाया जाएगा। एर्दोगन ने बताया कि

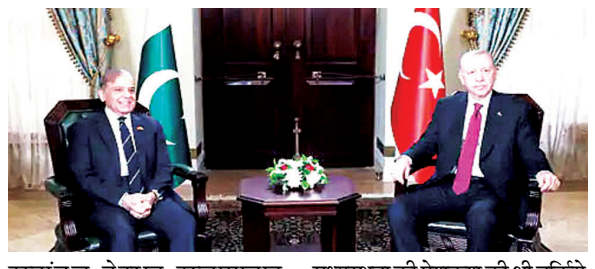

इस्तांबुल-तेहरान-इस्लामाबाद रेलवे लाइन को बेहतर किया जाएगा। साथ ही एजुकेशन सेक्टर में ठोस कदम दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत करेंगे।

22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद भारत-पाक तनाव बढ़ा, तो तुर्किये-अजरबैजान ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया। भारत के खिलाफ इस्तेमाल के लिए पाकिस्तान को ड्रोन्स-हथियार और इन्हें चलाने वाले ट्रेंड लोग भी भेजे। तुर्किये के राष्ट्रपति ने कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता की पेशकश की थी तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने 17 मई को कश्मीर मुद्दे को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बात की। उन्होंने कहा कि वो कश्मीर मुद्दा सुलझाने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रहे हैं। एर्दोगान ने कहा ने कहा- भगवान का शुक्र है कि दोनों न्यूक्लियर पावर पड़ोसियों में तनाव कम हो गया। तनाव को और बढ़ने से रोकने के लिए, दोनों पक्षों को मौजूदा मुद्दों से निपटने में संयम दिखाना होगा।

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाने से पहले क्वारंटीन हुए शुभांशु शुक्ला:बोले- पूरा भरोसा कि मिशन सफल होगा

8 जून को एक्सिओम मिशन के तहत आईएसएस जाएंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। इंडियन एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) जाने से पहले क्वारंटीन में चले गए हैं। उनके साथ मिशन के अन्य तीन एस्ट्रोनॉट ने भी शनिवार को क्वारंटीन में प्रवेश किया। शुभांशु ने कहा- मुझे पूरा भरोसा है कि एक्सिओम मिशन सफल होगा। यह कमर्शियल स्पेस फ्लाइट के लिए मील का पत्थर साबित होगा। एक्सिओम स्पेस ने एक कार्यक्रम में मिशन पर जाने वाले क्रू को विदाई दी।

दरअसल, अंतरिक्ष में जाने से पहले क्वारंटीन एक जरूरी फेज होता है। इसमें पूरे क्रू को आइसोलेशन में रखा जाता है, ताकि वो पूरी तरह से स्वस्थ्य रहे और मिशन के दौरान उन्हें कोई संक्रमण ना हो। एक्सिओम मिशन 4 में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 8 जून को 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। नासा और इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है।

शुभांशु के साथ तीन और एस्ट्रोनॉट जाएंगे एक्सिओम 4 मिशन के चालक दल में भारत, पोलैंड और हंगरी के मेंबर शामिल हैं। स्लावोज़ उज़्नान्स्की 1978 के बाद स्पेस में जाने वाले पोलैंड के दूसरे एस्ट्रोनॉट होंगे। टिबोर कापू 1980 के बाद स्पेस में जाने वाले हंगरी के दूसरे एस्ट्रोनॉट होंगे। अमेरिकी की पैगी व्हिटसन का यह दूसरा कॉमर्शियल ह्यूमन स्पेस फ्लाइट मिशन है।

शुभांशु शुक्ला: एनडीए क्लियर करके आईएएफ पायलट बने

शुभांशु शुक्ला मूल रूप से उत्तर प्रदेश के लखनऊ के रहने वाले हैं। इनकी की शुरुआती पढ़ाई-लिखाई अलीगंज, लखनऊ के सिटी मॉन्टेसरी स्कूल से पूरी हुई। 12वीं के बाद उन्होंने नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) का एंट्रेंस एग्जाम क्लियर किया और यहीं से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की। एनडीए भारत में सशस्त्र बलों (थल सेना, नौसेना और वायुसेना) के लिए ऑफिसर कैडेट्स को प्रशिक्षण देने वाली एक प्रमुख संस्था है। ये ट्रेनिंग के साथ-साथ एकेडमिक डिग्री भी देती है, जो जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली से एफिलिएटेड होती है।

2,000 घंटे से अधिक का फ्लाइंग एक्सपीरियंस

शुभांशु को 17 जून, 2006 को भारतीय वायुसेना के फाइटर विंग में शामिल किया गया। वे एक अनुभवी फाइटर और टेस्ट पायलट हैं। उनके पास 2,000 घंटे से अधिक का फ्लाइंग एक्सपीरियंस है। उन्होंने सुखोई-30 एमकेआई, मिग-21, मिग-29, जगुआर, हॉक, डोर्नियर और एएन-32 जैसे लड़ाकू विमानों को उड़ाया है। इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल में ये एस्ट्रोनॉट उड़ान भरेंगे। इस मिशन को फाल्कन-9 रॉकेट से फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा। लॉन्च की तारीख फाइनल अप्रूवल और मिशन की तैयारियों के अनुसार घोषित होगी।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

2 अंचलाधिकारियों पर गिरी गाज,पकड़ी गई 'चोरी' तो नीतीश सरकार ने लिया एक्शन

मंत्री संजय सरावगी ने कहा कि राज्य सरकार दोनों अंचल अधिकारियों को अंचल कार्यालयों से की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है. हटाकर पूरे मामले की जांच कराई जा रही है.

क्रांति समय

प्रदेश में दो अंचलाधिकारियों के खिलाफ नीतीश सरकार ने सख्त एक्शन लिया है. दाखिल-खारिज को लेकर मधुबनी और सासाराम में कर्मियों द्वारा सौदेबाजी की गई थी. इनकी गिरफ्तारी के बाद दोनों जगहों के अंचलाधिकारियों पर गाज गिरी है. सासाराम सदर के अंचल अधिकारी सुधीर कुमार ओंकारा और जयनगर की अंचलाधिकारी कुमारी सुजाता को पटना मुख्यालय में प्रतिनियुक्त कर दिया गया है.

बताया जाता है कि दोनों जिलों के जिला समाहर्ता को दोनों अधिकारियों की जगह दूसरे अधिकारी की प्रतिनियुक्ति का आदेश दिया गया है. मंगलवार (27 मई, 2025) को भूमि सुधार विभाग की ओर से यह जानकारी दी गई है.

दरअसल बीते शनिवार (24 मई) को सासाराम सदर अंचल के डाटा इंट्री ऑपरेटर को पटना की निगरानी विभाग की टीम ने 1.10 लाख रुपये रिश्वत लेते पकड़ा था. वहीं, मधुबनी के जयनगर में अंचल निरीक्षक अजय मंडल को पटना निगरानी की टीम ने 3 लाख रुपये घूस लेते गिरफ्तार किया था.

जयनगर के सर्किल इंस्पेक्टर अजय मंडल ने दो कट्ठा जमीन की दाखिल-खारिज के लिए भूमि मालिक से बीस लाख रुपये घूस की मांग की थी. निगरानी के डीएसपी सुजीत सागर ने बताया था कि इसमें अकेले सीआई नहीं है. राजस्व कर्मचारी और अधिकारी भी शामिल हैं, जिसकी जांच की जा रही है.

वहीं सासाराम सदर अंचल कार्यालय में कार्यरत डाटा ऑपरेटर आकाश कुमार दास को निगरानी की टीम ने एक लाख 10 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था. सासाराम के प्रतापगढ़ के युवक पंकज कुमार ने निगरानी को सूचना दी थी कि एक दाखिल-खारिज के मामले में डीसीएलआर के आदेश के बावजूद सासाराम के अंचल अधिकारी दाखिल-खारिज नहीं कर रहे थे. उसके बदले एक लाख 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की जा रही थी.

क्या बोले मंत्री संजय सरावगी?

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री संजय सरावगी ने कहा कि राज्य सरकार की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है. उन्होंने कहा कि दोनों अंचल अधिकारियों को अंचल कार्यालयों से हटाकर पूरे मामले की जांच कराई जा रही है. उन पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है.

गंडक नदी में महिला का शव मिलने से हड़कंप, पिता बोले-ससुराल वालों ने मार डाला

क्रांति समय

पश्चिम चंपारण जिले के बैरिया थाना क्षेत्र में महिला की संदिग्ध मौत से इलाके में हड़कंप मच गया है। दो दिन से लापता महिला का शव सोमवार को गंडक नदी से बरामद किया गया। मृत महिला की पहचान नवलपुर गांव निवासी दीपक मुखिया की पत्नी संगीता देवी (30 वर्ष) के रूप में हुई है। शव मिलने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे

में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। संगीता देवी का शव लौकरिया पंचायत अंतर्गत मुसहर टोली गांव के पास गंडक नदी में तैरता मिला। शव की स्थिति को देखकर आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या कर शव को नदी में फेंका गया है, ताकि सबूत मिटाया जा सके। पुलिस ने घटनास्थल की छानबीन की और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि मृत महिला का मायका उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले के बसही थाना क्षेत्र स्थित शोगी बारवा गांव में है। मृतका के भाई गंगाधर ने बताया कि शनिवार सुबह उन्होंने अपनी बहन से कई बार फोन पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन बंद मिला। संदेह होने पर वह नवलपुर गांव पहुंचे, जहां संगीता के घर पर ताला लगा मिला। पड़ोसियों से जानकारी लेने पर यह शक गहरा गया कि संगीता के साथ कुछ अनहोनी हुई है। एफआईआर में ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप मृतका के पिता अशर्फी बीन ने रविवार को नवलपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई

मृत महिला के पति ने आरोप कि उनकी बेटी की हत्या दहेज की वजह से की गई है। एफआईआर में संगीता के पति दीपक मुखिया, ससुर मोतीलाल बीन और जेठ झुनझुन बीन के नाम शामिल हैं। पिता ने बताया कि शादी के बाद से ही संगीता को दो लाख रुपये और एक बाइक के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। दहेज की यह मांग लगातार की जा रही थी, जिसे पूरा नहीं कर पाने के कारण उनकी बेटी की जान ले ली गई। बैरिया थानाध्यक्ष अंजेश कुमार ने बताया कि महिला का शव पोस्टमॉर्टम के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा दिया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मामला गंभीर है और सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। आरोपियों की तलाश की जा रही है और साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। ग्रामीणों ने संगीता की मौत पर गहरी नाराजगी जताई है और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। स्थानीय महिलाओं ने भी पुलिस से न्याय सुनिश्चित करने की गुहार लगाई है। संगीता के मायके वाले अभी भी सदमे में हैं और उन्हें न्याय की उम्मीद है। उनका कहना है कि अगर समय पर पुलिस हस्तक्षेप करती, तो शायद संगीता की जान बचाई जा सकती थी। उन्होंने प्रशासन से दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दिलाने की मांग की है।

तेज प्रताप की गर्लफ्रेंड अनुष्का के भाई आकाश यादव की पहली प्रतिक्रिया, 'जब एक लड़का-लड़की...

आकाश यादव ने कहा कि अनुष्का यादव मेरी छोटी बहन है. अनुष्का यादव का जो भी निर्णय होगा हम मजबूती के साथ एक बड़े भाई का फर्ज निभाएंगे.

क्रांति समय

तेज प्रताप यादव और अनुष्का यादव के रिलेशनशिप को लेकर आकाश यादव ने मंगलवार (27 मई, 2025) को मीडिया के जरिए अपनी पहली प्रतिक्रिया दी. आकाश यादव अनुष्का यादव के भाई हैं. उन्होंने मीडिया से कहा कि उन्होंने जो भी देखा है सोशल मीडिया के माध्यम से ही देखने को मिला है.

आकाश यादव ने कहा, "एक लड़का-लड़की जब एडल्ट हों और वे खुद बोलें तो ज्यादा अच्छे से बात आएगी. दो एडल्ट लोगों का अगर विषय आता है तो हमें लगता है कि लड़का और लड़की दोनों बोलेंगे तो वो ज्यादा अच्छे से आएगा."

मीडिया से बातचीत में आकाश यादव ने कहा कि नियमतः भी यही है कि अगर किसी का पर्सनल मैटर है और जो शख्स उसमें शामिल है वह अपनी बात रखता है तो वह ज्यादा स्पष्ट के रूप में होगा. जहां तक हमसे पूछने की बात है तो अनुष्का यादव मेरी छोटी बहन है. अनुष्का यादव का जो भी निर्णय होगा हम मजबूती के साथ एक बड़े भाई का फर्ज निभाएंगे. जो एक अच्छा भविष्य होगा बहन के लिए हम उसके लिए आगे का कदम उठाएंगे.

शादी कब हुई है इस पर आकाश ने कहा कि लड़का और लड़की की ओर से जब यह बात आएगी तो हमको लगता है कि ये बेहतर होगा. क्या शादी के बारे में पता नहीं था इस पर कहा कि कई चीजें पर्सनल होती हैं. आकाश ने इस पूरे मामले में साफ कहा कि दो परिवारों की बात है. लड़का और लड़की के भविष्य की बात है. एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अनुष्का यादव घर पर ही हैं.

बता दें कि आकाश यादव छात्र राजद के अध्यक्ष रह चुके हैं. जगदानंद सिंह और तेज प्रताप के बीच हुए विवाद के बाद किसी और को इस पद की जिम्मेदारी दे दी गई थी. इसके बाद आकाश यादव पशुपति पारस की पार्टी में चले गए.

लखनऊ में 27 साल की महिला सिपाही ऋतु की बॉडी इस हाल में मिली,क्या हुआ उसके साथ

क्रांति समय

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गाजीपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक महिला सिपाही ने कथित तैर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना गाजीपुर के ए-ब्लॉक स्थित मीना मार्केट इलाके की है, जहां 27 वर्षीय महिला सिपाही ऋतु ने अपने किराए के मकान में यह आत्मघाती कदम उठाया. ऋतु मूल रूप से उत्तर प्रदेश के अमरोहा जनपद के भीकमपुर गांव की रहने वाली थीं. साल, 2019 बैच की यह महिला आरक्षी वर्तमान में लखनऊ के मड़ियांव थाने में पदस्थ थीं. इससे पहले वह गाजीपुर थाने में भी सेवाएं दे चुकी थीं.

इस घटना का खुलासा तब हुआ जब उसी मकान में रहने वाली एसआई गीता ने दरवाजा खटखटाया लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला. काफी देर तक कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर, सुबह करीब 9 बजे पुलिस को सूचना दी गई. मौके पर पहुंची पुलिस ने जब दरवाजा तोड़ा, तो अंदर का नजारा दिल दहला देने वाला था. कमरे के भीतर ऋतु का शव फंदे से लटका मिला.

लखनऊ के गाजीपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक महिला सिपाही ने कथित तैर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. जानें क्यों किया ऐसा?

पुलिस ने तुरंत परिजनों को सूचना दी और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया. थाना गाजीपुर पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मंगलवार सुबह करीब 7 बजे सूचना मिली थी कि महिला ने आत्महत्या कर ली है. शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई की जा चुकी है और आगे की जांच की जा रही है. फिलहाल आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है. पुलिस मामले की हर एंगल से पड़ताल कर रही है.

बिहार में 'मास्टर साहब' की 'गंदी' करतूत, वीडियो वायरल होने के बाद धुनाई,

पहचान हुई शमीम अख्तर! BEO ने मांगा जवाब

क्रांति समय

मोतिहारी. बिहार में एक और मास्टर साहब की गंदी हरकत सामने आयी है. दरअसल मोतिहारी में एक शिक्षा सेवक का रंगरलिया मनाते वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. वहीं पकड़े जाने पर धुनाई का भी वीडियो भी सामने आया है. अब ऐसे में शिक्षा सेवक की इस हरकत को लेकर घोड़ासहन बीईओ (BEO) ने तालमी मरकज से तीन दिनों में स्पष्टीकरण मांगा है. दरअसल यह पूरा मामला घोड़ासहन प्रखंड कोरैया लौखान प्राथमिक विद्यालय का बताया जा रहा है. वायरल वीडियो में सीतामढ़ी में रंगेलिया मनाते पकड़े जाने की बात कही जा रही है.

वहीं पकड़े पकड़े जाने के बाद शिक्षा सेवक की धुनाई के बाद हाथ पैर बंधा हुआ दिख रहा है, जिसमे शिक्षा सेवक का कपड़ा भी फटा हुआ पाया गया. हालांकि न्यूज 18 वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है. लेकिन, वीडियो वायरल होने के बाद घोड़ासहन बीईओ ने तालीमी मरकज से स्पष्टीकरण मांगा है. दरअसल प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय कोरैया लौखान में तालीमी मरकज के रूप में कार्यरत शमीम अख्तर का सोशल मीडिया पर एक महिला के साथ अश्लील हरकत करते फोटो व वीडियो वायरल हुआ है.

मोतिहारी के शिक्षा सेवक शमीम अख्तर का अश्लील वीडियो वायरल हुआ है. इस मामले के उजागर होने के बाद घोड़ासहन बीईओ ने स्पष्टीकरण मांगा है. मामले की जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी.

इधर इस संबंध में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शत्रुघ्न प्रसाद ने बताया कि तालीमी मरकज के शिक्षा सेवक की पहचान कर ली गई है जिसका नाम शमीम अख्तर बताया जाता है. वह प्राथमिक विद्यालय कोरैया लौखान में पदस्थापित है. वायरल वीडियो के आधार पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने शिक्षा सेवक से स्पष्टीकरण मांगा है. वीडियो में दिख रही महिला कौन है? इन तमाम बातों की जांच की जा रही है. जांच के बाद विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी. वायरल वीडियो प्रखंड क्षेत्र के कोरैया लौखान प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत तालीमी मरकज का है. मामले को लेकर प्रखंड शिक्षा विभाग ने उक्त आरोपी तालीमी मरकज से स्पष्टीकरण मांगा है.

दरअसल प्राथमिक विद्यालय कोरैया लौखान में तालीमी मरकज के रूप में कार्यरत शमीम अख्तर का सोशल मीडिया पर एक महिला के साथ अश्लील हरकत करते फोटो व वीडियो वायरल हुआ है. इधर इस संबंध में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शत्रुघ्न प्रसाद ने बताया कि आरोपी तालीमी मरकज की पहचान कर ली गई है जिसका नाम शमीम अख्तर बताया जाता है. वह प्राथमिक विद्यालय कोरैया लौखान में पदस्थापित है. वायरल वीडियो के आधार पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने आरोपी शिक्षक से स्पष्टीकरण मांगा है. वीडियो में दिख रही महिला कौन है? इन तमाम बातों की जांच की जा रही है. जांच के बाद विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी.

Video कॉल कर कपड़े उतारने को कहते हैं प्रोफेसर... मुजफ्फरनगर में छात्रा ने सुनाई प्रोफेसर की अश्लीलता की कहानी

क्रांति समय

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से सनसनीखेज मामला सामने आया है. यहां चौधरी छोटू राम डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर दुष्यंत कुमार पर एक छात्रा ने गंभीर आरोप लगाए हैं. दरअसल इस प्रोफेसर ने छात्रा का जीना मुश्किल कर दिया है.

मुजफ्फरनगर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सरकुलर रोड पर स्थित चौधरी छोटू राम डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर दुष्यंत कुमार पर कॉलेज में पढ़ने वाली बीएससी फाइनल की छात्रा ने सनसनीखेज आरोप लगाए हैं. छात्रा का कहना है कि प्रोफेसर दुष्यंत कुमार उसके साथ छेड़छाड़ करते हैं और अश्लील हरकत करने की कोशिश भी करते हैं. छात्रा का कहना है कि जब वह उनका विरोध करती है तो प्रोफेसर उसे परीक्षा में फेल करने की धमकी भी देते हैं.

पीड़ित छात्रा का आरोप है कि प्रोफेसर दुष्यंत कुमार उससे गंदी-गंदी और अश्लील बातें करते हैं. वह उसे रात के समय फोन करते हैं और कपड़े उतारने का दबाव भी बनाते हैं. पीड़िता का कहना है कि रात 12 बजे वह उसे वीडियो कॉल करते हैं. मगर वह कॉल नहीं उठाती. फिर प्रोफेसर धमकी देते हैं कि वह उसके नंबर कम कर देंगे या उसे फेल कर देंगे.

छात्रा का कहना है कि वह सिर्फ इसलिए चुप रही क्योंकि उसका आखिरी साल है. मगर प्रोफेसर की हरकत लगातार बढ़ती जा रही हैं. पीड़िता का ये भी कहना है कि प्रोफेसर कहते हैं कि वीडियो कॉल करके अपने कपड़े उतार दो. पीड़िता की मांग है कि प्रोफेसर के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई हो.